हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 350, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 8 जून, 2022 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

मोदी सरकार में सबसे अधिक जनजाति सांसद और मंत्री का गौरव : अमित शाह

गृहमंत्री ने राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में नवनिर्मित राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनटीआरआई) का उद्घाटन किया। एनटीआरआई आदिवासी विरासत और संस्कृति के संवर्धन और संरक्षण के लिए प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान होगा और शैक्षणिक, कार्यकारी और विधायी क्षेत्रों में आदिवासी अनुसंधान मुद्दों और मामलों का प्रमुख केंद्र होगा। अमित शाह ने इस मौके पर कहा- यह भवन आदिवासी मामलों में संस्थागत विकास में बड़ा योगदान देगा। मोदी जी के नेतृत्व में यह सरकार आठ वर्ष में आदिवासी और आदिवासी क्षेत्र के विकास में पूरा जोर दिया। प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना है कि बिना आदिवासी समाज को मुख्य धारा में लाए देश का विकास नहीं हो सकता है। अटल बिहारी बाजपेयी के कार्यकाल में अलग मंत्रालय बना, फिर बीच में रुकावट आई, लेकिन अब फिर से विकास पर पूरा जोर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार और बराबरी पर लाने पर जोर है। अमित

शाह ने आगे कहा- भाषा, संस्कृति, शिल्प,जल जंगल जमीन, स्वास्थ्य, त्योहार, नृत्य, समेत अन्य मुद्दों पर अनुसंधान के लिए यह संस्थान अहम योगदान देगा। किरण रिजिजू ने कहा - 'पहले की सरकारों ने आदिवासी को है उपेक्षित रखा, हेय दृष्टि से देखा।' अमित शाह ने कहा, 'आज का दिन एक महत्वपूर्ण दिन है। पीएम मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार, राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान आखिरकार अस्तित्व में आ रहा है। हम सोच सकते हैं कि यह सिर्फ एक और संस्थान है, लेकिन राष्ट्र निर्माण में ऐसे संस्थानों की भूमिका होती है।'

संस्थान प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और संगठनों के साथ-साथ शैक्षणिक निकायों और संसाधन केंद्रों के साथ सहयोग और नेटवर्क करेगा। यह जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई), उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई), और एनएफएस के शोध विद्वानों की परियोजनाओं की निगरानी करेगा और अनुसंधान और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानदंड स्थापित करेगा। इसकी अन्य गतिविधियां जनजातीय मामलों के मंत्रालय के साथ-साथ राज्य कल्याण विभागों, डिजाइन अध्ययनों और कार्यक्रमों को नीतिगत इनपुट प्रदान करना होगा जो जनजातीय जीवन शैली के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं में सुधार या समर्थन करते हैं, पीएमएएजीवाई के डेटाबेस का निर्माण और रखरखाव करते हैं, सेटिंग में दिशानिर्देश प्रदान करते हैं। और जनजातीय संग्रहालयों का संचालन और एक छतरी के नीचे भारत की समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करना। जनजातीय मामलों के मंत्री, अर्जुन मुंडा, कानून और न्याय मंत्री, किरेन रिजिजू सहित अन्य कैबिनेट और राज्य मंत्री; जनजातीय मामलों की राज्य मंत्री रेणुका सिंह सरुता; जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू; अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉन बारला और ग्रामीण विकास और इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनजातीय मामलों के मंत्रालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई। देश भर में 100 से अधिक आदिवासी कारीगरों और जनजातीय नृत्य मंडलों ने अपने स्वदेशी उत्पादों और प्रदर्शनों का प्रदर्शन किया। जनजातीय अनुसंधान संस्थान राज्य स्तर पर जनजातीय मामलों के मंत्रालय का अनुसंधान निकाय है।

देश भर में कल 42 हजार नशीले पदार्थों को किया जाएगा नष्ट, निर्मला सीतारमण भी रहेंगी मौजूद

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड बुधवार को मनाए जाने वाले 'ड्रग डिस्ट्रक्शन डे' के दिन गुवाहाटी, मुंबई और सिलीगुड़ी सहित 14 स्थानों पर लगभग

42 हजार किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट करेगा। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ड्रग डिस्ट्रक्शन डे को भारत की आजादी के 75वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए मंत्रालय के 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के एक प्रतिष्ठित सप्ताह के एक भाग के रूप में मनाया जाएगा। मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'देश भर में 14 स्थानों पर लगभग 42,000 किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट किया जाएगा।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुवाहाटी, लखनऊ, मुंबई, मुंद्रा/कांडला, पटना और सिलीगुड़ी में होने वाली विनाश प्रक्रिया में वर्चुअली रूप से शामिल होंगी। वह इस दौरान अधिकारियों को संबोधित भी करेंगी।

उत्तर और मध्य भारत में लू का कहर, 11 जून तक राहत के आसार नहीं, मानसून आगे बढ़ा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली, यूपी, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार समेत कई राज्यों में एक बार फिर झुलसाने वाली गर्मी से बुरा हाल है। मानसून पूर्व की बारिश व पश्चिममी विक्षोभ के असर से हुई वर्षा का प्रभाव धूमिल हो गया। नौतपे जैसी गर्मी पड़ रही है। दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र के विदर्भ में आसमान से मानो आग बरस रही है।

दिल्ली में पारा 46 डिग्री तक जाएगा- मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक आरके जेनामणि के अनुसार दिल्ली में पारा 44-46 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। लू का प्रकोप 8-9 जून तक जारी रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर पश्चिम भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में 11 जून को बादल छाए रहने और बूंदाबांदी की संभावना है। दिल्ली में 11 जून से लू खत्म होगी। जेनामणि ने बताया कि मानसून तमिलनाडु के कुछ और हिस्सों में पहुंच चुका है। पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश की संभावना उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत के ज्यादातर हिस्सों में पारा 40 से 45 डिग्री के बीच रह सकता है। हालांकि, पारा चढ़ने से कहीं कहीं तेज हवा या आंधी चल सकती है।

यहां चलेगी लू, सावधान रहें- निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट के अनुसार मध्य प्रदेश और दिल्ली के

कुछ हिस्सों में लू की स्थिति गंभीर हो सकती है। विदर्भ और हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लू की स्थिति संभव है। मौसम विभाग ने लू को लेकर अलर्ट जारी किया है। लू से बचाव के लिए सावधानी बरतने की जरूरत है।

मुंबई में वर्षा, सिक्किम, बंगाल में भारी वर्षा होगी- मौसम विभाग के अनुसार कर्नाटक, अंडमान, पूर्वोत्तर भारत, तमिलनाडु, केरल, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र में अच्छी बारिश होगी। वहीं, बंगाल और सिक्किम में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। पूर्वोत्तर भारत, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और केरल, दक्षिण कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश के में हल्की से मध्यम या भारी वर्षा संभव, केरल, दक्षिण कोंकण और गोवा में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान। ओडिशा के अंदरूनी हिस्सों, मराठवाड़ा और जम्मू कश्मीर में हल्की बारिश संभव।

सिद्धू मूसेवाला को श्रद्धांजलि देने मूसा पहुंचे राहुल गांधी, पिता को गले लगा बंधाया ढांढस

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सिद्धू मूसेवाला के परिवार से मिलने मानसा के मूसा गांव पहुंचे। उनके साथ पार्टी प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग समेत सभी वरिष्ठ कांग्रेस भी है। राहुल गांधी ने मूसेवाला की तस्वीर पर फूल अर्पित किए और उनके पिता को गले लगाकर ढांढस बंधाया। वहीं मानसा जिला बार एसोसिएशन ने सिद्धू मूसेवाला के कातिलों का केस न लड़ने का एलान किया है। हालांकि मूसेवाला का केस बार एसोसिएशन निशुल्क लड़ेगी। एडवोकेट बिमलजीत सिंह, सर्वजीत सिंह वालिया, रनदीप शर्मा, ललित अरोड़ा, सतिंदरपाल सिंह मित्तल, जगतार सिंह और गुरदास सिंह मान का पैनल गठित किया गया है।

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, एक पाकिस्तानी भी शामिल

श्रीनगर। जम्मू- कश्मीर के कुपवाड़ा के चकतारस कंडी इलाके में आतंकवादियों के साथ पुलिस और सेना की मुठभेड़ जारी है। आइजीपी कश्मीर विजय कुमार

ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के दो आतंकवादी, जिनमें एक पाकिस्तानी आतंकवादी तुफैल भी शामिल है, मारा गया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों की तलाश अभी जारी है। आइजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि चकतरास कुपवाड़ा में आज सुबह मारे गए लश्कर-ए-तैयबा के दोनों आतंकियों की पहचान कर ली गई है। इनमें एक पाकिस्तानी आतंकी तुफैल और दूसरा दक्षिण कश्मीर के त्राल का रहने वाला इश्तियाक लोन है। लोन कुछ समय पहले ही आतंकी बना था। आइजी ने यह दावा भी किया है कि कश्मीरी हिंदू राहुल भट्ट की हत्या में शामिल दो आतंकियों में एक मारा जा चुका है। दूसरे को भी चिन्हित कर लिया गया है। उसकी तलाश जारी है। वहीं महिला टीवी कलाकार अमरीना बट की हत्या में शामिल दोनों आतंकी मारे जा चुके हैं। इसके अलावा बैंककर्मी विजय कुमार की हत्या में लिप्त आतंकी को भी चिन्हित कर लिया गया है। उसके ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। वह भी जल्द पकड़ा जाएगा या फिर मुठभेड़ में मारा जाएगा। सोमवार को सोपोर में एक अन्य मुठभेड़ में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध एक पाकिस्तानी आतंकवादी को सुरक्षा बलों ने मार गिराया। मारे गए पाकिस्तानी आतंकवादी से बरामद दस्तावेजों के अनुसार उसकी पहचान लाहौर के रहने वाले हंजल्ला के रूप में हुई। इससे पहले, 4 जून को पुलिस ने जानकारी दी थी कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में रात भर हुई मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन का एक कमांडर मारा गया।

आरएसएस के दफ्तरों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार, तमिलनाडु से यूपी ला रही पुलिस

चेन्नई। आरएसएस के दफ्तरों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार हो गया है। आरोपी को तमिलनाडु के पुडुकुडी से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम राज मोहम्मद बताया जा रहा है। गौरतलब है कि आरएसएस के देशभर में 6 कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। जिसके बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया था। गौरतलब है कि सोमवार रात देशभर में आरएसएस के 6 दफ्तरों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, इनमें लखनऊ के दो कार्यालय भी शामिल हैं। ये धमकी वॉट्सऐप के जरिए दी गई थी। धमकी मिलने के बाद लखनऊ के मड़ियांव थाना में केस भी दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी तमिलनाडु का ही रहने वाला है। यूपी पुलिस तमिलनाडु पुलिस की मदद से उसे लखनऊ लेकर आ रही है। पुलिस ने आगे बताया कि आरएसएस से जुड़े एक शख्स को लखनऊ में अंजान नंबर से व्हाट्सएप ग्रुप ज्वाइन करने का लिंक मिला था। ग्रुप में आरएसएस के 6 दफ्तरों में बम धमाका की धमकी दी गई थी। इनमें चार कर्नाटक में तो दो दफ्तर लखनऊ में हैं। प्रोफेसर नीलकंठ तिवारी की शिकायत पर पुलिस ने

केस दर्ज किया। वहीं, धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद पुलिस फौरन जांच में जुट गई। पुलिस ने अज्ञात नंबर को ट्रेस किया। आरोपी के नंबर का लोकेशन तमिलनाडु में मिला थी। यूपी पुलिस ने तमिलनाडु पुलिस की मदद से आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरोपी से पूछताछ की जा चुकी है। अभी मामले की जांच जारी है।

केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया से बोले कानून राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, बहन पल्लू की गांठ आगरा के लिए भी खोलो

आगरा। काउंसिल फार लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई) द्वारा आयोजित स्टेकहोल्डर्स आउटरीच प्रोग्राम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल से बहन के रिश्ते का हवाला देते हुए आगरा के लिए मांग की। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि पल्लू की गांठ खोल हमें भी कुछ दे दो। विकास की जो फाइलें उलझी हुई हैं उनको निस्तारित करें, अगर नियम, कानून कहीं विकास में आढ़े आते हैं तो उनको शिथिल करने का मैं वादा करता हूं। उन्होंने कहा आगरा बीमारू जिले के रूप में अपनी पहचान रखता है। जो लोग अपने घर के पर्यावरण का ध्यान नहीं रखते हैं वह प्रदेश के पर्यावरण की चिंता करते हैं, रिट दाखिल कर विकास के एजेंडे को प्रभावित करते हैं। विकास का पहिया ना रुके इसलिए आगरा के विकास से जुड़ी फाइलों का वह जल्द से जल्द निस्तारण करें। प्रो. बघेल ने कहा

देश में कई व्यापार जाति विशेष पर केंद्रित हैं जैसे लकड़ी का काम एक विशेष जाति के लोग करते हैं तो जूते से जुड़ा एक अन्य जाति के, इन सभी के हुनर को निखारने के लिए एक आर्टिजन यूनिवर्सिटी या विद्यालय वाणिज्य मंत्रालय की पहल पर स्थापित किया जाए, जिससे प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। केंद्रीय व्यापार विभाग के संयुक्त सचिव एवं प्रदेश सरकार के नोडल अधिकारी अनंत स्वरूप ने भारत-यूएई एवं भारत-आस्ट्रेलिया के इकोनामिक और ट्रेड अनुबंधों को प्रजेंटेशन के माध्यम से समझाया और इसके आंतरिक लाभ गिनाए। उन्होंने कहा कि आयात पर अब पांच फीसद इम्पोर्ट ड्यूटी को खत्म कर दिया गया है अब खुल कर उद्यमी आयात कर सकते हैं। सीएलई के अध्यक्ष संजय लीखा ने प्रजेंटेशन के माध्यम से सरकार की नीतियों को उद्यमियों को बताया। एफमेक अध्यक्ष पूरन डावर ने कहा कि सरकार नीतियां बनाती नहीं है, बल्कि नीतियां आपके द्वार लाती भी है। ये एक सफल प्रयास है जब स्वयं विभागीय मंत्री, अधिकारी सरकार की योजना, प्रयास से अवगत कराने आए हैं।

कर्नाटक में 24 छात्राओं पर लगा सात दिन का प्रतिबंध, हिजाब पहनकर कक्षा में किया था प्रवेश

दक्षिण कन्नड़। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के एक कालेज में पढ़ने वाली 24 छात्राओं को हिजाब पहनने के कारण कक्षाओं में जाने से सात दिनों की अवधि के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। पुत्तूर तालुक में उप्पिनंगडी डिग्री कालेज के अधिकारियों द्वारा छात्राओं के द्वारा हिजाब उतारे बिना कक्षाओं में प्रवेश करने से इनकार करने के बाद यह निर्णय लिया गया। मंगलवार को यह घटना ऐसे समय में आई है जब कर्नाटक सरकार ने स्कूलों और कालेजों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए यूनिफार्म पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।हालांकि अधिकांश छात्र कक्षाओं में जाना पसंद कर रहे हैं, लेकिन एक वर्ग ने उन्हें हिजाब पहनकर कक्षाओं में जाने की अनुमति देने पर जोर दिया। अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित कई छात्रों ने अन्य कालेजों, जहां हिजाब पहनने की अनुमति है, में शामिल होने के लिए शिक्षण संस्थानों से स्थानांतरण प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया है। कालेज प्रबंधन ने छात्रों को यह भी सूचित किया है कि जो लोग हिजाब पहनकर कक्षाओं में भाग लेना चाहते हैं, वे स्थानांतरण प्रमाण पत्र ले सकते हैं। उडुपी प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कालेज के छह छात्रों के विरोध के रूप में शुरू हुआ हिजाब संकट पिछले एक साल में कर्नाटक में बड़ी स्थिति बन गया है। गौरतलब है कि तीन दिन पहले उप्पिनंगडी फर्स्ट ग्रेड कालेज में हिजाब पहनकर पहुंची एक छात्रा को छह दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले, हिजाब पहनकर कालेज पहुंचने पर 6 छात्राओं को निलंबित किया गया था। इन छात्राओं पर हिजाब मामले पर दिए हाईकोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप लगा है। ये छात्राएं हिजाब पहनकर क्लासरूम में पहुंची थीं। गौरतलब है कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल-कालेज में हिजाब पहनने पर रोक लगाने के कर्नाटक सरकार के आदेश को सही ठहराया था और हिजाब पर रोक को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

मुंब्रा पुलिस ने विवादित बयान देने के मामले में नुपुर शर्मा को किया तलब, 22 जून को करेगी पूछताछ

मुंबई। महाराष्ट्र की मुंब्रा पुलिस ने निलंबित भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा को 22 जून को उनके विवादास्पद धार्मिक टिप्पणी पर बयान दर्ज करने के लिए तलब किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नुपुर शर्मा की टिप्पणी के बाद महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मुंब्रा पुलिस ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इसलिए उन्हें मुंब्रा पुलिस ने 22 जून को जांच अधिकारी के समक्ष अपना बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया है।

नुपुर शर्मा को मिल रही जान से मारने की धमकी- बता दें, नुपुर शर्मा को पैगंबर मोहम्मद को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही हैं, जिसे लेकर उन्होंने दिल्ली पुलिस में शिकायत कर एफआइआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिछले हफ्ते नुपुर शर्मा ने दिल्ली के पुलिस कमिश्नर को ईमेल के जरिए शिकायत की थी कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। सीपी ने स्पेशल सेल के साइबर क्राइम यूनिट को मेल भेजकर केस दर्ज कर जांच करने को कहा था। जिसके बाद साइबर सेल ने केस दर्ज कर लिया था। दिल्ली पुलिस ने नुपुर शर्मा की सुरक्षा भी बढ़ा दी है।

भाजयुमो का प्रमुख चेहरा रहीं हैं नुपुर

शर्मा- बता दें, नुपूर शर्मा तेज तर्रार महिला नेता रही हैं। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) और भाजपा में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता भी बनाया गया था। वह मीडिया में पार्टी से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ रखती थीं। लेकिन इन दिनों उनका राजनीतिक भविष्य संकट में घिर गया है। पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी के बाद पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया है। कुछ दिनों पहले एक निजी टीवी चैनल पर बहस के दौरान नुपुर ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे संबंधित वीडियो वायरल होने पर वह विवादों में आ गईं। विवाद बढ़ने पर सोमवार को पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया।

दिल्ली छात्रसंघ की रह चुकी हैं अध्यक्ष- नूपुर का जन्म 23 अप्रैल 1985 को दिल्ली में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली पब्लिक स्कूल से हुई थी। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कालेज से एलएलबी और लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स (लंदन) से एलएलएम किया है। राजनीति में वह छात्र जीवन से ही सक्रिय रही हैं। उन्हें 2008 में दिल्ली छात्र संघ का अध्यक्ष बनने पर असली पहचान मिली। उन्होंने एनएसयूआइ के वर्चस्व को तोड़ा था।

24 घंटे में 19 और उपद्रवियों की गिरफ्तारी से संख्या पहुंची 57, अब पोस्टर वाले 40 की भी तलाश तेज

कानपुर। परेड नई सड़क पर उपद्रव में शामिल रहे सभी लोगों को पुलिस सलाखों के पीछे पहुंचाने में जुटी है। सोमवार की शाम आरोपितों की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस पर पथराव के बाद भी बीते चौबीस घंटे में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपित हयात जफर हाशमी समेत अबतक कुल 57 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर 40 उपद्रवियों का फोटो पोस्टर भी जारी करने के बाद पहचान करके धरपकड़ तेज कर दी है। नई सड़क पर तीन जून को हुए उपद्रव के बाद सामने आए मुख्य आरोपित जौहर फैंस एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी और उसके तीन साथियों को लखनऊ से गिरफ्तार किया था और कोर्ट में पेश करके जेल भेजा जा चुका है। इसके साथ ही लगातार आरोपितों की गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है और अब 57 लोग गिरफ्तार किये जा चुके हैं। सोमवार की शाम से मंगलवार तक 19 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वहीं सोमवार को पुलिस ने उपद्रव के नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया था और गिरफ्तार आरोपितों की संख्या 38 हो गई थी। सोमवार को मोहम्मद आफाक उर्फ चुन्नू निवासी नया चौक परेड, अदील निवासी बारा कंपाउंड चमड़ा मंडी, गुलाम गौस निवासी नजीरबाग बेकनगंज, शारिक अहमद निवासी फेथफुलगंज, सेराज हुसैन निवासी कंचन नगर बारा खंबा शुक्लागंज, सऊद कालिया निवासी रिजवी रोड अनवरगंज, शानू लफ्फाज निवासी हीरामनकापुरवा, फरहान कालिया निवासी हुमांयूबाग चमनगंज और महताब निवासी तलौव्वा मंडी कोपरगंज को गिरफ्तार किया था। सोमवार की शाम सामान्य हो रहे हालात फिर गरमा गए थे। सीसी कैमरों और इंटरनेट मीडिया में वायरल वीडियो से चिह्नित उपद्रवियों की धरपकड़ करने बजरिया क्षेत्र के कंघी मोहाल गई पुलिस पर हमला कर दिया गया था। पुलिस ने आरोपित आमिर और उसके साथी को पकड़ ला रही थी।

संपादकीय

यूक्रेन की मांग

रूस-यूक्रेन युद्ध को 100 दिन हो गए हैं और यूक्रेन लगातार अलग-अलग देशों से रूस के खिलाफ समर्थन मांग रहा है। अब यूक्रेन ने भारत से कहा है कि जंग खत्म होने के बाद वह यूक्रेन के सुरक्षा की गारंटी बने। यूक्रेन ने कुछ अन्य देशों के साथ मिलकर इस बारे में भारत से संपर्क साधा है। यूक्रेन उम्मीद कर रहा है कि जंग के बाद बुनियादी सुविधाओं को फिर से पटरी पर लाने के काम में भी भारत मदद करेगा। यूक्रेन के लिए पोस्ट वॉर सिक्योरिटी और पोस्ट वॉर कंस्ट्रक्शन-ये दोनों बेहद अहम मुद्दे हैं। साथ ही, दवाएं, तकनीकी और आर्थिक मदद की भी वह भारत से उम्मीद कर रहा है। अब तक भारत वहां 230 टन दवाएं और मानवीय मदद से जुड़ी अन्य चीजें भेज चुका है। इसमें सरकार के अलावा प्राइवेट कंपनियों से दी गई मदद भी शामिल है। दवा कंपनियों ने ही 7-8 मिलियन डॉलर की मदद भेजी है। ये ऐसी कंपनियां हैं, जिनके मुख्यालय तो भारत में हैं, लेकिन दफ्तर यूक्रेन और पूर्वी यूरोप में। यूक्रेन की भारत से मांग उस स्थिति में पूरी हो पाएगी, जब जंग खत्म होगी या किसी निष्कर्ष पर पहुंचेगी। रूस यूक्रेन जंग के सौ दिन पूरे हो चुके हैं। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। युद्ध की रणनीति बनाते समय शायद ही रूस ने सोचा हो कि यह युद्ध इतना लंबा चलेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि इस जंग का निष्कर्ष क्या होगा। क्या इस युद्ध में रूसी सेना की जीत होगी। इस युद्ध में यूक्रेन का क्या होगा। क्या रूसी सेना के मनोबल पर इसका असर पड़ रहा है। इस जंग में अमेरिका और पश्चिमी देशों की क्या रणनीति है। क्या अमेरिका और पश्चिम देश अपनी रणनीति में सफल हुए हैं। यह ऐसे सवाल हैं, जो हर किसी के मन में हैं। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अभी यह युद्ध और लंबा खिंच सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि रूस और यूक्रेन दोनों एक दूसरे को थकाने में लगे हैं। हालांकि, दोनों मुल्कों ने हाल के दिनों में अपनी-अपनी बढ़त का एलान किया है, लेकिन सच यह है कि इस जंग में दोनों पक्षों को भारी क्षति हुई है। इस जंग में मोटे तौर पर रूस को बढ़त हासिल हुई है, क्योंकि उसकी सैनिक क्षमता यूक्रेन से कहीं ज्यादा है। रूस को इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह जंग इतनी लंबी चलेगी। इसलिए कहा जा सकता है कि रूस ने जैसी योजना बनाई थी, उस हिसाब से वह फौरी जीत हासिल करने में नाकाम रहा है। जंग में यूक्रेन को पश्चिमी देशों और अमेरिका का खुलकर सहयोग और समर्थन मिल रहा है। पश्चिमी देश और अमेरिका यूक्रेन को रक्षा उपकरणों से लेकर मानवीय उपयोग की चीजों की आपूर्ति कर रहे हैं। पश्चिमी देश और अमेरिका ने रूसी योजना पर पानी फेर दिया है। अमेरिका की यही मंशा है कि रूस को यूक्रेन में उलझा कर रखो। जाहिर है कि रूस यूक्रेन की जंग जितनी लंबी चलेगी उतना रूस कमजोर होगा। दूसरे युद्ध के कारण रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इसका सीधा असर उसकी आर्थिक व्यवस्था पर पड़ रहा है। यूक्रेन रूस को खारकीव से दूर रखने में सफल हुआ, लेकिन दक्षिण में रूस का पलड़ा भारी था। इस लड़ाई का नतीजा केवल सैन्य ताकत पर निर्भर नहीं करेगा। रूस भी यूक्रेन को नुकसान पहुंचाने के लिए आर्थिक और राजनीतिक ताकत का भी इस्तेमाल कर रहा है। पश्चिमी देशों के प्रतिबंध से रूस को तो आर्थिक नुकसान पहुंचा है, लेकिन यूक्रेन को ज्यादा नुकसान हुआ है। रूस की जीडीपी में अगले वर्ष 12 फीसद की गिरावट की आशंका है, लेकिन यूक्रेन की जीडीपी में 50 फीसद तक की गिरावट आ सकती है। रूस की ओर से काला सागर का रास्ता रोक लिए जाने से यूक्रेन को बहुत ज्यादा नुकसान होगा। अगर यह युद्ध लंबा चला तो पश्चिमी देश भी इससे प्रभावित होंगे। पश्चिमी देशों की अपने-अपने देश की आंतरिक चुनौतियां है। जंग के चलते महंगाई तेजी से बढ़ रही है। तेल और गैस के बढ़ते दाम से जीवन-यापन लगातार महंगा होता जा रहा है। युद्ध इसकी एक अहम वजह रहा है। सर्दियों के आते ही रूस और यूक्रेन दोनों सेनाओं के लिए लड़ना और कठिन हो जाएगा। इसके साथ दुनिया के लिए आर्थिक संकट को झेलना भी और मुश्किल होता जाएगा।

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता' में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है। मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शक्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ता है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो।' जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तरह क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता। अज्ञान के मिटते ही जीव की सभी भ्रांतियां मिट जाती हैं। आत्मा चैतन्य है, मुक्ति है, सर्वत्र व्यापक है, वह किसी बंधन में बंधी नहीं है। आत्मा का कोई रूप नहीं है, वह निराकार है। उसी निराकार का रूप सृष्टि है। आकार बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व वही रहता है। जैसे सोने से विभिन्न आभूषण बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व सोना वही रहता है। इस तरह से हम कह सकते हैं, आत्मा ही सत्य है और आत्मा ही पुरातन है, आत्मा ही सनातन है।

शमशानघाट बन गई अवैध पटाखा फैक्टरी यह हादसा नहीं सरासर हत्याएं हैं?

पलक झपकते ही हापुड़ में अवैध पटाखा फैक्टरी शमशानघाट बन गई।लाशों के ढेर लग गए।चीखो पुकार मच गई।मजदूर जिदां जलकर खाक हो गए।यह हादसा नहीं सरासर हत्याएं है।लापरवाही बरतने वालों को फांसी की सजा देनी चाहिए।यह दर्दनाक हादसा एक खौफनाक इबारत लिख गया।4 जून 2022 को उतरप्रदेश के हापुड़ में एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट होने से 11 मजदूर जिन्दा जल गए तथा 15 मजदूर गंभीर रुप से घायल हो गए।गत 22 फरवरी 2022 को हिमाचल के जिला उना के हरोली उपमंडल के बाथू अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट होने से 6 महिलाएं जिंदा जल गई थी मरने वालों में एक मां व बेटी भी थी। और 11 कामगार गंभीर रुप से घायल हो गए थे।अवैध पटाखा फैक्टरी के संचालको पर हत्या का मुकदमा दर्ज करना चाहिए।देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।कारखानों व अवैध पटाखा फैक्टरीयों में जिंदा जल कर मजदूर मर रहे हैं। अल सुबह मजदूरों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि पल भर में ही वह राख हो जाऐगे। मुआवजा इसका हल नहीं है। अवैध रुप से काम करने वाली फैक्टरीयों पर छापामारी करनी चाहिए।प्रशासन को भी संज्ञान लेना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक ले सके।आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018 में भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा ।पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी थी।कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं।

मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।देश में हर वर्ष मजदूर दबकर व जलकर मारे जा रहे हैं। 8 दिसंबर 2019 को राजधानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर स्थित अनाज मंडी में आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे।एडीआरएफ की टीम ने केवल 56 लोगों की जान बचा ली थी।यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी।आग लगने का कारण शार्टसर्किट था।भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंर्तगत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया था।यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के थे। 2019 में उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए थे। लगभग तीन घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था।आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है।प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके।दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए।यह बहुत ही दुखद है। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाज्सफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था।इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुटटी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती। नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा।मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे।सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें।यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है।एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था।

हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निमार्णाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए।इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुल्लु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो बिजली विभाग के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में एक निमार्णाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 40 से अधिक लोगों की इमारत के भितर दब गए थे।

बदलता पर्यावरण खेती के लिए खतरे की घंटी

जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी 4 आयामों खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा कड़वा सच है कि यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो इंसानो के समक्ष 2050 तक पेट भरने के लिए अनाज जुटाना मुश्किल हो जाएगा। वर्तमान दौर में कृषि पर जलवायु परिवर्तन का बुरा असर पड़ रहा है, बदलते मौसम के प्रभाव से सिर्फ फसलों का उत्पादन ही प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है, यह बात देश की खाद्य सुरक्षा के लिए आहम चुनौती बन रही है, एक अनुमान के अनुसार यदि 2040 तक तापमान मैं1, 5 डिग्री तक इजाफा होता है तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा, इस चेतावनी को भविष्य की मह ज संभावना की तर ह नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि अगर हम अभी से नहीं चेते तो य ह खतरा निश्चित है, इस तरह जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ रहा है तो अप्रत्यक्ष प्रभाव आमदनी की हानि और अनाजों की बढ़ती दरों के रूप में परिलक्षित हो रहा है?, ज्ञात रहे कि कृषि की उत्पादकता बढ़ाने में उपजाऊ मृदा, जल, अनुकूल वातावरण किट पतंगों से बचाव आदि की भूमिका रहती है प्रत्येक फसल को विकसित होने के लिए उचित तापमान उचित प्रकार की मृदा वर्षा तथा आंध्र की जरूरत होती है लेकिन इनमें से किसी भी मान क में फेरबदल होने से फसलों की पैदावार काफी हद तक प्रभावित होती है, जबकि आने वाले दिनों में देश की जनसंख्या में इजाफा होगा ऐसे में प्रथक प्रथक फसलों की मांग बढ़ेगी, मगर जलवायु परिवर्तन इस राह में मुश्किल उत्पन्न करेगा, लिहाजा कृषि नीति को जलवायु परिवर्तन के जोखिम से निबटने के लिए फसल उत्पादकता में सुधार और सुरक्षा जाल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा तभी हम खाद्यान्न अ सुरक्षा जैसे संकटों से जूझ सकते हैं जलवायु परिवर्तन खाद सुरक्षा के सभी चार आयामों खाद उपलब्धता, खाद्य पहुंच खाद्य उपयोग, और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा कड़वा सच यह है कि यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो हमारे सामने खाने का संकट उत्पन्न हो जाएगा, तापमान की बढ़ती गति को देखें तो आंकड़े बोलते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा जिसका सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा उदाहरण के लिए आज यहां गेहूं, सरसों और आलू की खेती हो रही है तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती कदापि नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता होती है ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान, ज्वार आदि फसलों का क्षरण हो सकता है क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है ।

तापमान वृद्धि से वर्षा की किल्लत- इसके अतिरिक्त तापमान वृद्धि से वर्षा में कमी होती है जिससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है, भूमि में निरंतर तापमान की कमी व वृद्धिसे अप्रक्षय की क्रिया प्रारंभ हो जाती है इसके साथ तापमान वृद्धि से गंभीर सूखे की संभावना बलवती हो जाती है इतना ही काफी नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन की उपलब्धता कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रसायनिक खादों का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को काफी प्रभावित कर रहा है ।

सीएस ई की रिपोर्ट के मुताबिक 46 साल में 68 प्रतिशत पशु पक्षी घट गए हैं 2050 तक इंसानों को पेट भरने के लिए भी अनाज मिलना मुश्किल हो जाएगा खतरे की घंटी इस साल 16 राज्यों में 280हिट देव चली जिसमें से 28% राजस्थान, मध्य प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ तापमान तेजी से घटते जंगल , दूषित नदियां बर्बाद होती मिट्टी बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं और जहरीली हवा ने मानव जीवन के लिए बड़े खतरे उत्पन्न कर दिए हैं सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की महानिदेशक सुनीता नारायण द्वारा जारी ताजा साला रिपोर्ट के मुताबिक 11 मार्च से 18 मई 2022 के मध्य 16 राज्यों में 280 चली यानी इतनी बार तापमान सामान्य से 6,4डिग्री ज्यादा रहा वहीं, 1970 से 1916 के बीच दुनिया में 68% पशु पक्षी घट गए।

आज समूचे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है एवं इसका प्रभाव कहीं ज्यादा तो कहीं कम देखने में आ रहा है जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचक'क में हम शीर्ष 20 देशों में शामिल हैं, पिछले 40 वर्षों में हमारी धरा का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बड़ा है इसके कारण बाढ़ सूखे और तूफान जैसी आपदाएं भी बढ़ी हैं क्योंकि अपने मुल्क में अधिकांश कृषकों के पास छोटा रुकवाहै इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह प्रभावित हो रही है, कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बढ़ते तापमान का संकट हिंदुस्तान पर मर्डर रहा है, इसलिए जलवायु परिवर्तन के फल स्वरुप उत्पन्न चुनौतियों के परिपेक्ष में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना बेहद जरूरी है जिसके द्वारा हमारे किसान जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौतियों का सामना करते हुए फसल का उत्पादन कर सकें एवं उन्हें फायदा भी हो सके साथ ही कृषि से उनका मोहभंग भी न हो, क्योंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है इसलिए इसमें कमी लाने के लिए सभी स्तरों पर ठोस उपाय की जरूरत है कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि जलवायु परिवर्तन न केवल कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आया है कोई भी मुल्क इसकी तपिश से बच नहीं सकता।

अनमोल जीवन लील रहा सड़क हादसों का अजगर ?

देश में सड़क दुर्घटनाओं का अजगर प्रतिदिन अनमोल जीवन लील रहा है। बढ़ते भीषण सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। हादसे कब रुकेगें यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है।देश में हर रोज इतने भीषण व दर्दनाक हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नींद सो रहे हैं।रविवार 5 जून 2022 को को उतराखंड के उतरकाशी में मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों की एक बस के गहरी खाई में गिरने से 26 लोगों की मौत हो गई।चारधाम करने आए यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यह उनकी अंतिम यात्रा बन जाएगी।यह बहुत ही दुखद हादसा हुआ है।प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है। प्रतिवर्ष की तरह 11 जनवरी 2022 से 17 जनवरी 2022 तक पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया।मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं।प्रशासन द्वारा लोगों को सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे है।वर्ष 2022 में भी सडक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं तथा प्रतिदिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा बढता ही जा रहा है।गत दिनों हिमाचल से दिल्ली जा रहे एक परिवार की गाड़ी की दूसरी गाड़ी से टक्क्र में पूरा परिवार मौत के मुंह में समा गया था। इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। केन्द्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओ पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें नही तो देश के प्रत्येक महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछ रही है।

बेकसूर लोग कब तक बेमौत मरते रहेंगें। दुर्घटनाओं का कहर कब तक बरपता रहेगा। मानव जीवन को बचाना होगा क्योकि मानव जीवन दुर्लभ है।बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल हो सकता है यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते है तो सड़को पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता है।लापरवाही से सड़कें रक्तरंजित हो रही है।चिराग बूझ रहें हैं।बच्चे अनाथ हो रहे हैं। 2022 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।कोहरे के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है प्रतिदिन लोग मारे जा रहे है।यातायात के नियमों का पालन न करने पर ही इन हादसों में निरंतर वृद्वि हो रही है।सड़क सुरक्षा सप्ताह पर लाखों रुपया बहाया जाता है मगर फिर भी सुधार नहीं होता।जब तक लोग यातायात के नियमों का उल्लधन करते रहेंगे तब तक इन हादसों में लोग बेंमौत मरतें रहेंगें। बीते साल 2021 में भी सड़क हादसों का सिलसिला पूरी साल अनवरत चलता रहा और लोग लाखो लोग हादसों का शिकार होते रहे।हजारों लोग अपंग हो गए ताउम्र हादसों का दंश झेलते रहेगें। देश में हर चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क हादसे में मारा जाता है। प्रतिदिन देश की सडकें रक्तरजित हो रही है नौजवानों से लेकर बुजुर्ग काल का ग्रास बन रहे हैं। आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर हैं। शराब पीकर बाहन चलाना ही हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसके कारण ही लाखो लोग सड़क हादसों में मौत का शिकार हुए। ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है।आंकडों के अनुसार जुलाई 2018 को उतराखंड में धूमाकोट के नजदीक एक यात्रियों से भरी एक बस के 70 फुट गहरी खाई में गिर जाने से 50 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। बस में मरने वालों में 22 पुरुष तथा 17 महिलाए और आठ बच्चे शामिल थे। ऐसा ही एक भीषण हादसा पशिचिमी बंगाल में हुआ जहां 29 जनवरी 2018 को पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के इस्माइलपुर में एक सरकारी बस के नदी में गिरने से 36 यात्रियों की मौत हो गई। यह बस नदी पर बनी रेलिग तोड़कर नदी में जा गिरी।9यात्रियों ने तैर कर अपनी जान बचा ली तथा 9 लोग घायल हो गए थे।बस में 60 यात्री सफर कर रहे थे।यह दर्दनाक हादसा सुबह छह बजे के करीब हुआ।यात्रीयों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि यह उनका आखिरी सफर होगा। लापरवाही के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। पिछले दिनों पंजाब में एक जीप व ट्रक की आपसी टक्कर में दर्जनों स्कूली अध्यापक बेमौत मारे गए थे। धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं।बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं।

लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़िय़ाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें देश की सड़को पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़िय़ाली आंसू बहाए जातें है। आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता।पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा।

बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्यों की सरकारों द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं। देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय-समय पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है।जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके । प्रत्येक साल नवरात्रों में श्रध्दालू मंदिरों में ट्रको में जाते है और गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तथा मारे जाते हैं। ओबरलोडिग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं।

मिस्ट्री है इन विमान हादसों की वजह

आज भी सच कोई नहीं जान सका है

न्यूयार्क। चार साल पहले मलेशिया एयरलाइंस के विमान के अचानक लापता हो जाने की घटना ने लोगों को असमंजस में डाल रखा था और अब तो उसका कुछ पता भी नहीं चल पा रहा है। जाहिर है, उसकी तलाश अब खत्म कर दी गई है। ऐसी ही कुछ घटनाएं हैं जिनके बारे में आज भी कुछ पता नहीं चल सका है।

सबसे प्रसिद्ध विमान लापता की घटना एक महिला विमान चालक एमीलिया इअरहार्ट से जुड़ी हुई है जिनका विमान 1937 में हवाई जहाज से विश्व परिभ्रमण करने की कोशिश के दौरान लापता हो गया था। लापता होने के वक़्त यह विमान कप्तान फ्रेड नूनान के साथ प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ान भर रही थी। काफी खोज-बीन के बाद दो-इंजन वाले इस विमान का पता लगाने में खोजकर्ता असफल रहे। एमीलिया इअरहार्ट को दो सालों के बाद मृत घोषित कर दिया गया। लेकिन विमान की तलाश जारी रही। 2009 में रियो डी जेनेरियो से पेरिस के लिए उड़ान भरने वाली एअर फ्रांस फ़्लाईट 447 के गिरने के पांच दिन के बाद उसका मलबा मिला था। लगभग दो साल पहले लगभग 4,000 मीटर (13,000 फीट) की गहराई में उसका ब्ब्लैक बॉक्सस्र पाया गया। इसमें सवार सभी 228 यात्रियों की मौत हो गई थी। खोजकर्ताओं ने पाया कि रफ़्तार को नियंत्रित करने वाला उपकरण बर्फ की वजह से बाधित हो गया था, जिसके चलते विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। न्यूयॉर्क के जेएफके एअरपोर्ट से काहिरा के लिए नियमित उड़ान भरने वाला यह विमान 31 अक्तूबर 1999 को अटलांटिक महासागर में गिर गया था जिसमें 217 लोगों की मौत हो गई थी। चूंकि यह दुर्घटना अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई थी इसलिए इसकी जांच मिस्र के अधिकारियों के हवाले होनी थी, लेकिन शुरूआत में अमेरिका से इसकी जांच करने को कहने के बाद मिस्र ने अमेरिका का निष्कर्ष मानने से इंकार करते हुए बात पलट दी। अमेरिका ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि मिस्र के पायलट ने विमान को इसलिए गिराया क्योंकि उसे यौन दुर्व्यवहार के मामले में प्रताड़ित किया गया था। मिस्र के जांचकर्ताओं ने इसे मशीनी खराबी का मामला बताया। अगस्त 1947 में स्टार डस्ट नाम का ब्रिटिश एवरो लैंकासटरियन एयरलाइनर ब्यूनस एअर्स से सैंटिआगो, चिली के अपने नियमित उड़ान के दौरान अर्जेंटीना के एंडीज पर्वतों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान को खोजने की उस वक़्त की कोशिशें नाकाम रही थीं और इसने कई तरह की अटकलों को हवा दिया। लेकिन 50 साल के बाद इस विमान के मलबे के मिलने के साथ ही अटकलों पर विराम लगा। बरमूडा, फ्लोरिडा और प्यूर्तो रिको के समुद्री क्षेत्र में एक काल्पनिक त्रिकोणीय बिंदू कई पानी के जहाज और विमानों के दुर्घटना की वजह मानी जाती रही है। दो ब्रिटिश साउथ अमेरिकन विमान 1940 में इस क्षेत्र में लापता हो गए थे लेकिन 2009 में बीबीसी के एक पत्रकार ने अपने शोध में पाया कि दोनों विमान दुर्घटनाओं में से एक की वजह भयावह तकनीकी विफलता और दूसरी की वजह ईंधन का समाप्त होना बताया।

हालांकि बरमूडा त्रिकोण का मिथक अभी तक ज़िंदा है। बादल के नीचे होने और पहाड़ी की ऊंचाई की वजह से जो दूसरी विमान दुर्घटना हुई वो उड़ान संख्या 571 थी। यह उड़ान उरूग्वे से सैंटिआगो, चिली के अपने उड़ान के दौरान अर्जेंटीना के एंडीज पर्वतों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में 45 लोगों में से आधे मारे गए थे और आधे 72 दिनों तक पहाड़ों में फंसे रहे। आखिरकार बचाव दल के द्वारा 16 लोगों को बचाया गया। बचे हुए लोग मरे हुए लोगों को खाकर जिंदा रहे। बड़े स्क्रीन पर 1993 में बचे हुए लोगों की कहानी पर फिल्म अलाइव का निर्माण भी हुआ।17 जुलाई 1996 को ट्रांस वर्ल्ड एयरलाइंस की उड़ान 800 में न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे से उड़ान के शीघ्र बाद ही विस्फोट हो गया और उसमें सवार सभी 230 लोगों की मौत हो गई। जांचकताओं का दावा है कि शार्ट सर्किट के कारण दुर्घटना हुई है। लेकिन केनेडी के प्रेस सेक्रेटरी और पत्रकार पियरे सेलिंगर ने दावा किया था कि अमेरीकी मिसाइल परीक्षण की वजह से धमाका हुआ था लेकिन इससे संबंधित दस्तावेज अविश्वसनीय थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक अमेरीकी बमवर्षक विमान, लेडी बी गुड अप्रैल 1943 मे नेपल्स, इटली, में एक मिशन पर गया था और पूर्वी लीबिया में अपने ठिकाने पर कभी नहीं लौटा। माना गया कि यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें 9 लोग सवार थे। यह विमान 15 साल के बाद मिला। दिलचस्प है कि इसका बमवर्षक उपकरण उस वक़्त तक खराब नहीं हुआ था और मशीन गन भी काम कर रहे थे।

दुनिया का सबसे ऊंचा जलप्रपात है वेनेजुएला में

काराकस। वेनेजुएला में एंजेल फॉल दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है जिसकी ऊंचाई 979 मीटर है। यह जलप्रपात लगभग पंद्रह गुना अधिक है। यह वेनेजुएला के राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। एंजेल फॉल्स की खोज 1937 में अमेरिकी एविएटर जिमी एंजेल ने की थी। वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने फॉल्स के ऊपर उड़ान भरी थी और झरने का नाम उनके नाम पर रखा गया था। बारिश के मौसम के दौरान एंजेल दो अलग-अलग झरनों में विभाजित हो जाता है और पर्यटक झरने से दूर पानी के मील का छिड़काव महसूस कर सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि गर्मी के मौसम में जमीन से पानी गिरने से पहले ही वाष्प बन जाता है।

उत्तरी इथियोपिया में दलोल दुनिया का सबसे गर्म स्थान है। वर्ष 1960 और 1966 के बीच दलोल में चिह्नित जगह के लिए रिकॉर्ड उच्च वार्षिक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस था। दलोल में दिन का तापमान दैनिक आधार पर 46 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। सूर्य के अलावा गर्म पानी के झरने और पृथ्वी गैसों के प्राकृतिक निकास से उबलते एसिड को दुनिया के सबसे गर्म क्षेत्र में रखते हैं। ज्वालामुखी क्रेटर के पास भी सभी दिशाओं से गर्मी की लहरों का प्रसार होता है।

इसी तरह अटाकामा रेगिस्तान दक्षिण अमेरिका के प्रशांत तट में 1000 किलोमीटर से अधिक दूरी तक फैला है। यह पृथ्वी पर सबसे शुष्क गैर-ध्रुवीय स्थान है। अटाकामा रेगिस्तान में तापमान 0 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। इस रेगिस्तान में वार्षिक वर्षा 1 मिमी / वर्ष से कम और मृत्यु घाटी की तुलना में 50 गुना अधिक होती है। साथ ही बहुत कम जैविक सामग्री में अटाकामा रेगिस्तान की मिट्टी शामिल है। उसी समय अटाकामा में गैर-जैविक ऑक्सीकरण रसायनों की उपस्थिति भी पाई गई।

यहां है दुनिया की सबसे ज्यादा नमक

चालीस हजार साल पहले झील के बदलाव से हुआ ऐसा

लंदन। सौर मंडल के अन्य ग्रहों के विपरीत पृथ्वी जीवन की विशाल और विविध मात्रा का समर्थन करती है। यह सुरक्षात्मक वातावरण है, सौर मंडल में स्थिति, चुंबकीय दायर, रीसाइक्लिंग और तरल पानी ऐसे तत्व हैं जो पृथ्वी को जीवन के लिए एकदम सही बनाते हैं। लेकिन पृथ्वी पर अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग वातावरण हैं और इस ग्रह पर हर जगह जीवन के लिए इतना रहने योग्य नहीं है। टेक्टोनिक प्लेटों की आवाजाही, प्राकृतिक क्षरण, सूर्य के चारों ओर पृथ्वी के उन्मुखीकरण और सूर्य के चारों ओर क्रांति के कारण पृथ्वी पर चरम स्थान बनते हैं। इनमें बोलिविया का सालार द यूउनी ऐसा स्थान है जहां दुनिया का सबसे ज्यादा नमक पाया जाता है। साथ ही यह दुनिया का सबसे समतल स्थान भी है। सालार दे उयूनी बोलीविया के दक्षिण पश्चिम में स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नमक का फ्लैट है। इसमें 10582 किलोमीटर क्षेत्र में 10 बिलियन टन नमक है। सालार दे उयूनी में मैग्नीशियम, सोडियम, पोटेशियम जैसे रासायनिक धातुएं भी हैं और दुनिया के 70 प्रतिशत लिथियम भंडार हैं। नासा ने इसका इस्तेमाल सैटेलाइट के फिगर पोजिशनिंग के लिए एक आदर्श वस्तु के रूप में किया था क्योंकि सालार दे उयूनी असाधारण रूप से फ्लैट और अनमोविंग है। सालार दे उयूनी का गठन 40000 साल पहले प्रागैतिहासिक झील के परिवर्तन द्वारा किया गया था, जिसे लागो मिनचिन कहा जाता है। सालार दे उयूनी का नमक क्रस्ट 2 से 20 मीटर के बीच की गहराई में है। जब पानी से ढका हुआ सालार दे उयूनी दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक दर्पण बन जाता है।

नाव से नाप डाला पूरा समंदर

83 की उम्र में कर दिखाया यह कारनामा

टोकियो। जापान के 83 साल के केनिची होरी ने अकेले नाव लेकर प्रशांत महासागर की यात्रा पूरी कर रिकॉर्ड बना दिया। सैन फ्रांसिस्को से शुरू हुआ सफर करीब 70 दिन में पूरा कर लौटते ही ऐसा कारनामा करने वाले वो सबसे उम्रदराज व्यक्ति भी बन गए।

जब कुछ अनोखा खास और बड़ा करने का जोश और जुनून दिल में हो तो उम्र कभी आड़े नहीं आ सकती। इन बातों को सच कर दिखाया एक बुजुर्ग ने। बुढ़ापे में हमेशा सहारा खोजने और किसी न किसी पर निर्भर रहने की बजाय उन्होंने ऐसे सफर पर जाने की फैसला किया जिसमें वो पूरी तरह अकेले थे। हालांकी सफर का अकेलापन उनकी मजबूरी नहीं बल्कि उनकी इच्छा थी, जिसमें वो सफल भी रहे। बात हो रही है जापान के 83 साल के केनिची होरी की, जिन्होंने अकेले ही अपनी नाव लेकर प्रशांत महासागर की यात्रा पूरी कर रिकॉर्ड बना दिया। सैन फ्रांसिस्को से शुरू हुआ उनका सफर करीब 70 दिन में पूरा हुआ, जिसके बाद लौटते ही ऐसा कारनामा करने वाले वो दुनिया के सबसे उम्रदराज व्यक्ति भी बन गए।

होरी ने यात्रा की शुरूआत मार्च 2022 में सैन फ्रांसिस्को से की थी। जहां एक नौका बंदरगाह से निकलने के बाद कुल 69 दिनों में उन्होंने अपना ट्रांस-पैसिफिक का सफर पूरा किया और नॉनस्टॉप जर्नी के बाद जापान के पश्चिमी तट से केई जलडमरूमध्य में पहुंच गए।

ऐसा कारनामा होरी के लिए नया नहीं था क्योंकि इसके पहले भी वो 1962 में जापान से सैन फ्रांसिस्को तक प्रशांत क्षेत्र में एक एकल नॉनस्टॉप सफर को कामयाब बनाने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बने थे और अब करीब 60 साल बाद उन्होंने अपना ही इतिहास दोहरा दिया। अपने पहले और अब के अनुभव के बारे होरी बताते है कि पहले ये चिंताजनक था, लेकिन अब ट्रैकिंग सिस्टम और वायरलेस रेडियो के माध्यम से उनके पास कई सपोर्ट सिस्टम थे, जो सराहनीय हैं.एकल यात्रा पूरी कर जापान वापस लौटते ही अपने उन्होंने अपने ब्लॉग के जरिए इसकी सूचना दे दी। और बताया कि उन्होंने फिनिशिंग लाइन पार कर ली। 83 की उम्र में ऐसे जोश और जुनून को बरकरार रख उन्होंने जबरदस्त कारनामा किया है। होरी अपनी जापान वापसी के साथ ही दुनिया के सबसे उम्रदराज व्यक्ति बन गए, जिन्होंने प्रशांत महासागर के एक एकल, नॉनस्टॉप क्रॉसिंग को पूरा करने में कामयाबी हासिल की। होरी ने 1974 में दुनिया भर में नौकायन सहित कई अन्य लंबी दूरी का सिंगल सफर किया है। उनका ये सबसे नया मिशन अमेरिका के हवाई से केआई जलडमरूमध्य तक 2008 की एकल नॉनस्टॉप यात्रा के बाद ये पहला मिशन था।

हंसगुल्ले

पहली बरसात में...
गांव में मिट्टी की खुश्बू आती है...
और...
शहर में नाले की...

बॉयफ्रेंड अपनी गर्लफ्रेंड से- आओ तुम्हें चांद पर ले जाऊं...
गर्लफ्रेंड- अरे नहीं यार...!
बॉयफ्रेंड- लेकिन क्यों?
लड़की-क्योंकि वहां वॉट्सऐप नहीं चलता है।

शादी के मंडप पर दूल्हा रोमांटिक अंदाज में दूल्हन से बोला...
मैं आई किस यू डार्लिंग?
तो दुल्हन शर्माते हुए बोली- हमने तो कभी गैरों को भी मना नहीं किया, आप तो फिर भी अपने हो...!

हप्पू और गप्पू हास्टल के कैंटीन में बैठे हुए थे...
हप्पू - मैं ये रोटी नहीं खाऊंगा।
गप्पू - क्यों?
हप्पू - इस रोटी पर से चूहा निकलकर गया है।
गप्पू- तो क्या हुआ? चूहे ने चप्पल थोड़ी ही पहनी थी।

भय व रोमांच एक साथ हावी होते हैं यहां

दुनिया के दुर्गम ट्रैक हैं ये, इन्हें बनाना कभी आसान नहीं था

नई दिल्ली। रेलवे को पारंपरिक लैंड रनिंग ट्रैक के अलावा पहाड़ों और समुद्रों पर बनाया गया है। इन खतरनाक पटरियों पर चलने वाली उस ट्रेन में सवार होने वाले किसी भी व्यक्ति को ये ठंडक देते हैं। कहा जाता है कि प्रकृति सर्वशक्तिमान और सर्वोच्च है। हालाँकि, मनुष्य अपने जन्म के बाद से ही प्रकृति के इस वर्चस्व को दूर करने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश करता है। जब कोई मनुष्य द्वारा निर्मित कुछ संरचनाओं को देखता है, तो उसे उसके और प्रकृति के बीच इसी प्रतिस्पर्धा का एहसास होता है। ऐसी संरचनाओं में से एक विभिन्न रेल मार्ग हैं। मनुष्य की आवागमन की आवश्यकता ने उसे ट्रेनों और इस प्रकार विभिन्न मार्गों को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। यहां शीर्ष 10 सबसे खतरनाक मार्ग हैं जो हमें सर्वोच्च प्रकृति और चतुर मनुष्य के संघर्ष की याद दिलाते हैं।

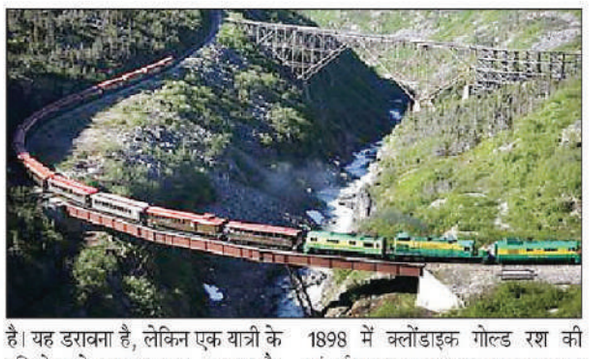

इसके द्वारा लिया जाने वाला प्रमुख मार्ग इंडोनेशिया में उच्च सिकुरुतुग तोरण ट्रेस्टल पुल है। यात्रियों को गहरी उपोष्णकटिबंधीय घाटी का दृश्य मिलता है। यह डरावना है, लेकिन एक यात्री के दृष्टिकोण से एक शानदार अनुभव है। लोगों के लिए रामेश्वरम द्वीप तक पहुंच आसान बनाने के लिए इस रेल मार्ग को समुद्र के ऊपर बनाया गया था। यह 1914 में खुला और समुद्र के 2065 मीटर को पार करता है। पुल को पैडमैन ब्रिज कहा जाता है और यह भारतीय इंजीनियरिंग के चमत्कारों में से एक है।

यह स्केगवे, अलास्का से व्हाइटहॉर्स, युकोन के बंदरगाह का कनेक्टिंग मार्ग है। इस रेल मार्ग को 'क्लिफ्स टू क्लिंग' कहा जाता है जो वास्तव में उस स्थान पर जाने के मामले में वास्तविक है। यह मार्ग 1898 में क्लोंडाइक गोल्ड रश की ऊंचाई पर बनाया गया था। आजकल इस मार्ग का उपयोग केवल पर्यटन उद्देश्यों के लिए किया जाता है। यह एक अद्भुत अनुभव है और सबसे खतरनाक सवारी में से एक है।

नारिज डेल डियाब्लो, जिसे डेविल्स नोज ट्रेन भी कहा जाता है, एंडीज में स्थित है। यह समुद्र तल से 900ङ्क फीट ऊपर है जो इस ट्रेन मार्ग को सबसे कठिन बनाता है। यह दुनिया की सबसे डरावनी सवारी में से एक है। सरकार ने एक ज़िगजैग रेलवे का निर्माण किया है जो 500 मीटर पहाड़ी क्षेत्र को 12 किमी से कम में कवर करता है।

यह रेलमार्ग जापान के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी क्षेत्रों में अपना रास्ता बनाता है। इस ट्रेन के सवारों को इस बात की जानकारी नहीं होती है कि यहां ज्वालामुखी कब फट सकता है। कभी-कभी जंगलों में पटरियों के पास जले हुए लावा को भी देखा जा सकता है। इस रेल मार्ग को पूरा होने में ही 27 साल लग गए। यह ज़िगज़ैग ट्रैक, 21 सुरंगों और 13 पुलों का एक नेटवर्क है। यह ट्रेन की सवारी करने वाले किसी भी व्यक्ति को रोमांच प्रदान करता है। यह ट्रैक समुद्र तल से 4200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और इसे ट्रेन ए लास न्यूब्स कहा जाता है। यह चिली सीमा के करीब स्थित है। म्यांमार में थाईलैंड की सीमाओं में स्थित कंचनबुरी प्रांत वह जगह है जहाँ डेथ रेलवे स्थित है। ये ट्रैक कुछ खतरनाक जंगलों से होकर गुजरते हैं और पहाड़ी इलाका काफी परेशानी भरा है। द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के शासन के तहत इसे बनाने के दौरान युद्ध के कैदियों की जान गंवाने के बाद इस ट्रैक का नाम रखा गया था। क्वाई नदी पर पुल का खंड सबसे प्रसिद्ध है।

भारतीय सिनेमा

जब अवॉर्ड शो में भड़के गए नील नितिन मुकेश

मुंबई। आइफा शो में रीसेंटली सलमान खान ने होस्ट सिद्धार्थ कानन का मजाक उड़ाया तो लोगों ने उन्हें काफी भला-बुरा कहा। वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों ने कमेंट किया कि सलमान बदतमीज हैं। दोबारा से उन्हें ऐसे शो में नहीं बुलाना चाहिए। वैसे अवॉर्ड शो में यह सब नया नहीं है। होस्ट और स्टार्स एक-दूसरे की खिंचाई करते रहते हैं। अवॉर्ड शो का ऐसा ही एक मामला काफी फेमस है। इसमें नील नितिन मुकेश को होस्ट सैफ अली खान और शाहरुख खान का मजाक पसंद नहीं आया था। गुस्साए नील ने शो के दौरान उन्हें शटअप भी बोल दिया था। फिल्म फेयर अवॉर्ड शो की यह क्लिप यूट्यूब पर भी है। कई लोगों का मानना है कि यह स्क्रिप्टेड था। इसमें शाहरुख खान नाम लेते हैं नील नितिन मुकेश। फिर बोलते हैं, मुझे तुमसे सवाल पूछना है यार तुम्हारा नाम है नील नितिन मुकेश। भइया सरनेम कहां पर है, सारे के सारे फर्स्ट नेम है ना। ये सुनकर ऑडियंस हंसने लगती है। शाहरुख बोलते हैं, तुम्हारा सरनेम क्यों नहीं है। हम सबका है खान, खान, रोशन। नील बोलते हैं, शाहरुख सर बड़ा अच्छा सवाल है, थैंक यू। फिर वह पूछते हैं, क्या मैं भी कुछ बोलने की गुस्ताखी कर सकता हूं। इस पर शाहरुख कहते हैं, हां बिल्कुल यह इंसल्टिंग पोडियम है। इस पर नील कहते हैं कि दरअसल मुझे अपनी इंसल्ट लग रही है। यह ठीक नहीं है। शायद आपने देखा नहीं लेकिन मेरे पिता भी यहां बैठे हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत वाहियात है कि आप दोनों इस तरह के सवाल पूछते हैं, मैं सबसे माफी चाहूंगी लेकिन मुझे यह इंसल्ट लगी। मुझे लगता है आप दोनों को बस चुप हो जाना चाहिए (शट अप यार)। इसके बाद शाहरुख कहते हैं, अरे यार वेलडन नील, फिर सैफ बोलते हैं वैसे आपका सरनेम है क्या। इसके बाद बोलते हैं, मुझे नहीं लगता है कि मुझे सरनेम की जरूरत है। मैंने यहां तक पहुंचने और शो की फर्स्ट 10 लाइनों में बैठने में बहुत मेहनत की है। मिस्टर शाहरुख खान और मिस्टर सैफ अली खान ने मुझसे ऐसा सवाल पूछा यह सम्मान की बात है लेकिन शटअप।

धर्मेंद्र ने अस्पताल में भर्ती होने की बताई सच्चाई

मुंबई। दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र की तबीयत खराब होने को लेकर अफवाहें फैलीं। चर्चा थी कि उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और हालत नाजुक है। धर्मेंद्र के अस्पताल में भर्ती होने की खबरों पर पहले तो बॉबी देओल ने खंडन किया। उसके बाद अब खुद धर्मेंद्र ने एक वीडियो पोस्ट किया है। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। फैन्स और फॉलोवर्स की चिंताओं को दूर करते हुए धर्मेंद्र ने पॉजिटिव रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वो चुप हैं बीमार नहीं हैं। अपने वीडियो मैसेज में धर्मेंद्र कहते हैं, 'हैलो दोस्तों, पॉजिटिव रहो, पॉजिटिव सोचो, जिंदगी पॉजिटिव रहेगी। मैं चुप हूं, बीमार नहीं। खैर, कुछ ना कुछ बात चलती रहती है, हवा उड़ती रहती है, वो था ना मेरा गाना, बुरा मत सुनो, बुरा मत देखो बुरा मत कहो। ध्यान रखो, एक-दूसरे से प्यार करो, एक-दूसरे के प्रति अच्छे रहो। ठीक? जिंदगी खूबसूरत होगी।' धर्मेंद्र ने वीडियो एक सोफे पर बैठकर बनाया है। वह अपने घर पर मालूम पड़ते हैं। इस दौरान उन्होंने पीले रंग की टी शर्ट, मरून शर्ट और ब्लू पैंट्स पहने हैं। इससे पहले बॉबी देओल ने एक चैनल से बातचीत में धर्मेंद्र के स्वास्थ्य के बारे में कहा, वह बिल्कुल ठीक हैं। वह घर पर हैं। इतने प्यार के लिए आप सभी का धन्यवाद। बता दें कि इस साल मई की शुरूआत में धर्मेंद्र रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे। उन्होंने बताया था कि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। धर्मेंद्र की आने वाली फिल्मों में 'अपने 2' है। इसमें सनी देओल और बॉबी देओल होंगे। इसके अलावा वह करण जौहर की फिल्म रॉकी और रॉनी की प्रेम कहानी कर रहे हैं। इस में फिल्म में रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, शबाना आजमी और जया बच्चन हैं। फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

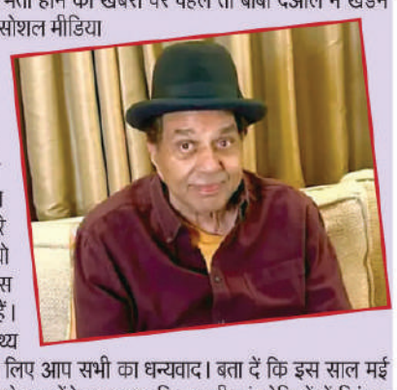

शहनाज गिल की फिल्म मुझे हुई थी ऑफर : निम्रत

मुंबई। ग्लैमर की दुनिया बहुत अनिश्चितताओं से भरी है। कब किसके हाथ कौन सा प्रोजेक्ट लगे और कौन सा खोना पड़े यह कहा नहीं जा सकता। इसके पीछे कई वजहें होती हैं। सीरियल 'छोटी सरदारनी' फेम एक्ट्रेस निम्रत कौर अहलूवालिया ने कहा कि शहनाज गिल की वजह उनके हाथों से फिल्म 'हौंसला रख' चली गई। यह फिल्म 2021 में आई थी। फिल्म में दिलजीत दोसांझ की मुख्य भूमिका थी। उनसे दिलजीत ने खुद संपर्क किया था लेकिन आखिर में वह प्रोजेक्ट नहीं कर पाई। उनका कहना है कि कोरोना की वजह से भी कई चीजें वर्क नही की। निम्रत कौर ने हमारे सहयोगी मीडिया से बातचीत में कहा, मुझे छोटी सरदारनी के दौरान हौसला रख का ऑफर मिला था। दिलजीत सर ने खुद मुझसे संपर्क कया। उन्होंने मुझे इंस्टाग्राम पर मैसेज किया कि क्या मैं फिल्म के लिए टेस्ट दे सकती हूं। मैं उनका मैसेज देख के उठी और रोने लगी। एक्ट्रेस ने दिलचस्प बात बताई कि उनसे जिस किरदार के बारे में पूछा गया उसे शहनाज गिल ने किया। वह कहती हैं, शहनाज ने इसे करके खत्म कर दिया। यह दुखद था कि मुझे उनके (दिलजीत) साथ काम करने का मौका नहीं मिला। बहुत सी चीजें कारगर नहीं हुईं। उस वक्त कोविड पीक पर था और फिर किसी की कमी किसी का फायदा। केवल यही नहीं निम्रत ने बताया कि एक स्टारकिड की वजह से उनके हाथों से बड़े प्रोडक्शन हाउस की फिल्म भी चली गई। वह कहती हैं, मुकेश छाबड़ा फिल्म के लिए कास्टिंग कर रहे थे जिसे एक नए निर्देशक बनाने वाले थे, जो न्यूयॉर्क फिल्म एकेडमी से पढ़कर आए थे। मैंने अपना ऑडिशन दिल्ली से भेजा और दूसरे राउंड के लिए मुंबई पहुंचीं जहां डायरेक्टर और प्रोड्यूसर से मिली। हमने कॉन्ट्रैक्ट और पेपरवर्क के बारे में बात की। उन्होंने मुझे कुछ दिन रुकने के लिए कहा। आगे वह बताती हैं कि मुझे लगा यह बहुत आसान था। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मेरे स्टारकिड ना होने के बावजूद ऐसा होने वाला था लेकिन उन्होंने फिर मुझे कभी नहीं बुलाया। मैंने कुछ दिनों तक इंतजार किया लेकिन वो मुझे टालते रहे। अहलूवालिया ने जब वह फिल्म देखी तो समझ आ गया कि आखिर उन्हें क्यों नहीं लिया कहा। उन्होंने कहा, हमारे जैसे (आउटसाइडर्स) लोगों के लिए यह इतना आसान नहीं है। तब मुझे झटका लगा।

बॉक्स ऑफिस पर 'मेजर' ने ली जबरदस्त पिकअप

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों फिल्मों के चलने का गणित पूरी तरह बदल चुका है। अब अच्छी कहानी वाली फिल्में लो बजट और बिना किसी सुपरस्टार एक्टर के भी हिट हो रही हैं। अदिवि शेष और सई मांजरेकर की फिल्म में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। दोनों सितारे कोई इतना बड़ा चेहरा नहीं हैं लेकिन उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त बिजनेस कर रही है। तीसरे दिन फिल्म के बिजनेस में 100 प्रतिशत तक का उछाल देखने को मिला। अदिवि शेष और सई एम मांजरेकर की फिल्म 'मेजर' को देशभर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म लोगों के दिलों को छू पाने में कामयाब रही है। इसके बिजनेस में भी कमाल की ग्रोथ देखने को मिल रही है। फिल्म देखकर थिएटर से निकल रहे लोगों की आंखें नम नजर आ रही हैं। सई और अदिवी की दमदार परफॉर्मेंस की क्रिटिक्स से लेकर जनता तक तारीफें कर रही है। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो यह पहली भारतीय फिल्म बन गई है जिसने फर्स्ट वीकेंड में अपने बिजनेस में 100 प्रतिशत तक की ग्रोथ दिखा दी है। फिल्म को रियलिटी शो के जरिए एड का फायदा उतना नहीं मिला है जितना माउथ पब्लिसिटी के जरिए ये पॉपुलर हो रही है। अक्षय कुमार की 'पृथ्वीराज' और कमल हासन की विक्रम जैसी बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर होने के बावजूद फिल्म के बिजनेस में कमी नहीं आ रही है बल्कि बिजनेस लगातार और भी ज्यादा बेहतर होता नजर आ रहा है। मालूम हो कि खुद सुपरस्टार सलमान खान ने फिल्म का ट्रेलर वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। फिल्म को आईएमडीबी पर 9.2 रेटिंग मिली है।

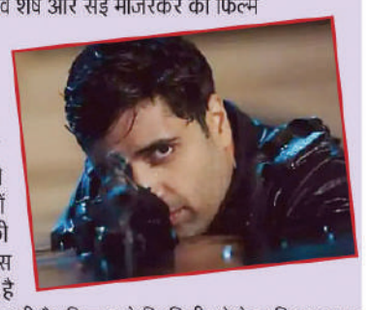

अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज में हुईं ये नौ गलतियां, फिल्म देखने से पहले आप भी देख लें

मुंबई। अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर की फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' 3 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जिंदगी पर आधारित है। अक्षय-मानुषी के अलावा फिल्म में संजय दत्त और सोनू सूद भी अहम रोल में है। भारी भरकम बजट में बनी इस फिल्म की ओपनिंग ठीक ठाक रही जबकि इसके कलेक्शन में और बढ़ोतरी की उम्मीद की जा रही थी। 'सम्राट पृथ्वीराज' ने 3 दिन में 39 करोड़ कमा लिए हैं। इसकी असली परीक्षा वीकडेज में होगी। फिल्म को समीक्षकों से मिली जुली प्रतिक्रिया मिली। इसकी कहानी से लेकर कलाकारों की एक्टिंग में कई कमजोर कड़ियां दिखीं। फिल्म देखने के बाद इसके कई सीन में गलतियों की भरमार नजर आती है। फिल्म के एक सीन में अक्षय कुमार युद्ध के मैदान में घोड़े से उतरते हैं लेकिन उनके हाथ में ना तो तलवार होती है और ना ही धनुष नजर आता है। इस सीन में सम्राट पृथ्वीराज यानी अक्षय कुमार, मोहम्मद गोरी के सीने पर वॉर करते हैं लेकिन उनकी तलवार मोहम्मद गोरी को छूती भी नहीं है और वह गिर जाता है। एक अन्य सीन में क्लोज शॉट में दो शेरों के पीछे दो सैनिकों को घोड़े पर देखा जा सकता है लेकिन जैसे ही दूर का शॉट होता है दोनों सैनिक गायब हो जाते हैं। अक्षय ने यह तस्वीर फिल्म से शेयर की थी। उनके हाथों को रस्सी से बांधा गया है जो कि बहुत ढीली है। फोटो को लेकर अक्षय को ट्रोल भी किया गया था। अक्षय कुमार युद्ध के मैदान में तलवार पकड़े दिखते हैं लेकिन अगर आप ध्यान से देखें तो अक्षय ने तलवार काफी आगे पकड़ी हुई है, जहां तलवार की धार शुरू होती है। अक्षय कुमार नीचे गिरे हुए सैनिक के सीने से दो तीर निकालते हैं लेकिन धनुष पर एक ही तीर चलाते हैं और दूसरा गायब हो जाता है। लड़ाई का यह दृश्य संजय दत्त पर फिल्माया गया है। इसमें संजय दत्त तलवार से सैनिक को घायल कर देते हैं जबकि उनकी तलवार सैनिक को छूती भी नहीं है। अक्षय और सोनू सूद रंगों की बौछार के बीच से निकलते हैं लेकिन उन पर रंग की एक चुटकी तक नहीं पड़ती। मोहम्मद गोरी जब अपने सिंहासन के पास आता है तो पास में एक रस्सी लटकती दिखती है लेकिन जैसे ही वह सामने की ओर देखता है और अपना हाथ उठाता है रस्सी गायब रहती है।

आनंद ने जताया सोनम पर प्यार

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर प्रग्नेंसी के दौरान अपने पति आनंद आहूजा के साथ इटली में हैं, यहां पर एक्ट्रेस अपनी प्रेंग्नेसी को खूब एंजाय कर रही हैं। इसी बीच आनंद से सोनम को एक खास कैप्शन देकर सुर्खियां बटोर ली हैं। आनंद ने सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्होंने आगे के वक्त के लिए खुशी जताई है। पोस्ट को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, उत्साहित और हमेशा की तरह हमारे अगले अध्याय के लिए तैयार। एवरीडे फेनोमेनल डब्ल्यू सोनम कपूर, अब तक का सबसे अच्छा प्रीगर व्यक्ति। इस पोस्ट पर सोनम ने दिल के इमोटिकान्स भेजे है और उनकी साली अंशुला कपूर ने बुरी नजर वाले ताबीज इमोटिकान्स भेजे हैं। मार्च में सोनम कपूर ने अपनी प्रेंग्नेसी की घोषणा की थी। सोनम ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा करते हुए लिखा एक नोट भी शेयर किया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम आखिरी बार 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'द जोया फैक्टर' में नजर आई थी।

नई दिल्ली (आईएएनएस लाइफ)। कान्स रेड कार्पेट हमेशा आने वाले त्योहारी सीजन के लिए गति और फैशन की बात करता है। मेकअप आर्टिस्ट दिव्या बहल ने आपके लिए कुछ सीक्रेट टिप्स साझा किए।

कान फिल्म फेस्टिवल 2022 से

सीक्रेट मेकअप टिप्स

सीक्रेट टिप्स

■ अपने चेहरे को दो बार साफ करें और पहले अपने विटामिन जैसे विटामिन सी, नियासिनमाइड सीरम या हाइलूरोनिक सीरम को भरपूर त्वचा के लिए लगाएं।

■ एक अच्छा हाइड्रेटिंग माइश्चराइजर जो ज्यादा आयली न हो, जरूरी है, माइस्चराइज्ड त्वचा मेकअप को पकड़ने और लंबे समय तक चलने की अनुमति देगी।

■ पाउडर या फाउंडेशन लगाने से पहले त्वचा को गुलाब आधारित स्किन टानिक से पोंछ लें। एक बर्फ के टुकड़े को एक साफ कपड़े में लपेटें और इससे त्वचा को पोंछ लें। यह छिद्रों को बंद करने में मदद करता है।

■ अपनी त्वचा पर हमेशा हल्की परतें लगाएं और जल्दी न करें। शीर्ष पर और जोड़ने से पहले उत्पादों को त्वचा में समाने दें।

■ चेहरे की कंटूरिंग और जालाइन को सही करने के लिए, आंखों और गालों के चारों ओर बस एक नंबर '3' बनाएं। फिर एक कंटूरिंग ब्रश का उपयोग करके पाउडर पर सेट करें और ध्यान से ब्लश में ब्लेंड करें।

■ लिपस्टिक में रंगों के लिए, हल्के गुलाबी और मौवे में से चुनें, जो बफीर्ले रंग हैं और शांत दिखते हैं। दिन के दौरान लिप ग्लास लगाना एक अच्छा विचार हो सकता है। रात के लिए, आप चमकीले रंगों का उपयोग कर सकते हैं।

■ फुलर पाउट के लिए अपने होठों पर कोई भी फेस आयल मिलाएं।

■ क्रीम मेकअप के ऊपर लेयर्ड होने पर पाउडर-आधारित मेकअप केवल अकेले लगाने की तुलना में घंटों अधिक समय तक टिकेगा।

जो कुछ हूं, आपके प्यार की बदौलत हूं

मुंबई (भाषा)। अभिनेता संजय दत्त ने सोमवार को अपने पिता सुनील दत्त की 93वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि, वह आज जो कुछ भी हैं, अपने पिता के विश्वास और प्यार की बदौलत हैं। 'केजीएफ : चैप्टर 2' फेम अभिनेता ने राजकुमार हिरानी निर्देशित 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की तस्वीरें साझा की, जो उनके पिता के साथ उनकी आखिरी फिल्म थी। उन्होंने कहा कि दिवंगत अभिनेता हमेशा उनके 'हीरो' रहेंगे।

संजय दत्त ने ट्विटर पर लिखा, आज मैं जो कुछ भी हूं, आपके विश्वास और प्यार की बदौलत हूं। आप मेरे हीरो थे, हैं और हमेशा रहेंगे। जन्मदिन मुबारक हो पापा। कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 1968 में 'पद्म श्री' से सम्मानित सुनील दत्त 1950 और 1960 के दशक के दौरान हिंदी सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक थे। उन्होंने क्लासिक 'मदर इंडिया' सहित कई फिल्मों में अभिनय किया। इसी दौरान वह अपनी भावी पत्नी अभिनेत्री नरगिस से मिले। उनकी अन्य लोकप्रिय फिल्मों में 'गुमराह', 'वक्त', 'हमराज', 'खानदान', 'मिलन', 'रेशमा और शेरा', 'पड़ोसन' शामिल हैं। सुनील दत्त की बेटी एवं कांग्रेस नेता प्रिया दत्त ने इस अवसर पर इंस्टाग्राम पर अपने पिता की एक श्वेत-श्याम तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, सबसे खूबसूरत, प्यारे, ऊर्जावान, सज्जन व्यक्ति को जन्मदिन मुबारक। मैं गर्व के साथ कहती हूं कि वह मेरे पिता, मेरे 'हीरो' हैं। उन्होंने प्रतिमानों को इतना ऊंचा कर दिया है कि अब उनके जैसा कोई नहीं बन सकता है। लव यू डैड और हमारे जीवन में वो स्तंभ बनने के लिए आपका आभार। सुनील दत्त का राजनीतिक करियर भी बेहद सफल रहा था। पांच बार के सांसद दत्त ने 1984 में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर अपना पहला चुनाव लड़ा था। वह 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में खेल और युवा मामलों के मंत्री थे।

'द कपिल शर्मा शो' ने लिया ब्रेक

मुंबई (आईएएनएस)। लोकप्रिय स्टैंड-अप कामेडी सीरीज 'द कपिल शर्मा शो' ने एक छोटा ब्रेक लिया है, क्योंकि मेजबान कपिल शर्मा और उनकी टीम काम के सिलसिले में अमेरिका जा रहे हैं। 23 अप्रैल, 2016 को प्रीमियर हुए इस शो ने अब तक तीन सीजन देखे हैं और तीसरा सीजन 5 जून को समाप्त हो गया है। शो ने दर्शकों का मनोरंजन कपिल और बालीवुड हस्तियों के बीच मजेदार मजाक से किया है, जो आमतौर पर अपनी नवीनतम फिल्म का प्रचार करने के लिए शो में आते हैं। 'द कपिल शर्मा शो' में 2016 में शाहरुख खान पहले मेहमान के तौर पर नजर आए थे, जो अपनी फिल्म 'फैन' के प्रमोशन के लिए आए थे। बाद में श्रद्धा कपूर, टाइगर श्राफ, यो यो हनी सिंह, अक्षय कुमार, अजय देवगन, यामी गौतम, वीरेंद्र सहवाग, धर्मेंद्र जैसे कई सेलेब्स और ऐसे कई नाम इस शो में स्पेशल गेस्ट के तौर पर पहुंचे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू शो में परमानेंट हाउस गेस्ट के तौर पर आते थे लेकिन बाद में शो में उनकी जगह अर्चना पूरन सिंह ने ले ली। दरअसल सुनील ग्रोवर ने भी होस्ट के साथ कुछ मतभेदों के बाद शो छोड़ दिया था। हाल ही में समाप्त हुए सीजन में शो में कामेडियन कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक, चंदन प्रभाकर और सुमोना चक्रवर्ती नजर आए। फिनाले एपिसोड के दौरान दर्शकों को दिग्गज अभिनेता कमल हासन देखने को मिले, जो अपनी फिल्म 'विक्रम' के प्रचार के लिए आए थे और बातचीत में 'अप्पू राजा' के निर्माण के लिए इस्तेमाल की गई तकनीक के बारे में भी बात की थी।

'एफ3' ने 10 दिनों में कमाए 110 करोड़

हैदराबाद (आईएएनएस)। वेंकटेश की 'एफ3' अपने निर्माताओं के लिए एक लाभदायक उपक्रम रहा है। निर्माताओं के मुताबिक फिल्म ने 10 दिनों में 110 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। 'एफ3' के निमार्ताओं ने यह आधिकारिक कर दिया है कि अनिल रविपुडी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रिलीज के 10 दिनों में 110 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। दूसरे हफ्ते में भी फिल्म बाक्स आफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। तमन्ना भाटिया, मेहरीन, सोनल चौहान, सुनील और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देते हैं। जबकि पूजा हेगड़े को 'एफ 3' में एक विशेष गीत में देखा गया था।

गायक केके को कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस ने दी श्रद्धांजलि

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड के जाने माने कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस ने दिवंगत गायक केके को श्रद्धांजलि के तौर पर एक डांस वीडियो बनाया है। वीडियो में वह फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' के केके द्वारा गाए गए गाने 'सच कह रहा है दिवाना' पर परफार्म करते नजर आ रहे हैं। लोकप्रिय गायक और संगीतकार कृष्णकुमार कुन्नाथ, जिन्हें केके के नाम से जाना जाता था। उनका निधन गुरुदास कालेज के उत्सव के लिए कोलकाता के नजरूल मंच में 31 मई को उनके संगीत कार्यक्रम के कुछ घंटों बाद हुआ।गायक का अंतिम संस्कार मुंबई के वसोर्वा में हुआ और इसमें कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। सोशल मीडिया पर कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस ने वीडियो को कैप्शन दिया, गान टू सून। केके आप हमेशा हमारे साथ रहेंगे। गायक केके 'तड़प तड़प', 'आवारापन बंजारापन' और 'तू ही मेरी शब हैं' जैसे गीतों के लिए जाने जाते थे। कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस ने 'लगान', 'झंकार बीट्स' जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों को कोरियोग्राफ किया है। वर्तमान में, उन्हें 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में जजों में से एक के रूप में देखा जाता है।

पूजा एंटरटेनमेंट की तीसरी फिल्म करेंगे टाइगर

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ फिल्मकार वासु भगनानी के पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनने वाली तीसरी फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। वासु भगनानी के पूजा एंटरटेनमेंट ने टाइगर श्राफ को 'गणपत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के अलावा दो फिल्मों के लिए साइन किया है। पूजा एंटरटेनमेंट के एक और प्रोजेक्ट में काम करने के लिए टाइगर श्राफ ने हां कर दी है। इस तरह से वह इस बैनर के तले तीसरी फिल्म करने वाले हैं। टाइगर श्राफ तीसरे और इस नए प्रोजेक्ट में लक्ष्य राज आनंद के निर्देशन में काम करेंगे। टाइगर श्राफ की इस एक्शन थ्रिलर में काफी एक्शन सीन होंगे और इसे यूके में बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। 'लक्ष्य राज्य आनंद इस समय फिल्म की स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे रहे हैं और अगस्त 2022 में प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू करेंगे। टाइगर श्राफ 'रेम्बो' के हिंदी रीमेके को खत्म करने के बाद इस फिल्म की शूटिंग करेंगे। लक्ष्य राज आनंद की यह फिल्म साल के आखिरी तक शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म के पूरा होने के बाद टाइगर श्राफ 'बड़े मियां छोटे मियां' पर फोकस करेंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार भी नजर आएंगे।

अनुपम ने 525 वीं फिल्म शुरू की

मुंबई(वार्ता)। बालीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता अनुपम खेर ने अपने करियर की 525 वीं फिल्म शुरू कर दी है। अनुपम खेर को फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए चार दशक हो गए हैं। अनुपम खेर ने अपने करियर की 525वीं फिल्म शुरू कर दी हैं। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए खेर ने लिखा, आज मैं अपने करियर का 525वां प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा हूं। यह एक आम आदमी की जिंदगी से जुड़ी बहुत खूबसूरत कहानी है। इस फिल्म के टाइटल को लेकर हमारे माननीय प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और मुझ में थोड़ी बहस चल रही है। तो हमने डिसाइड किया कि क्यों न आप लोगों से इसका नाम पूछा जाए। चलिए बताइए द लास्ट सिग्नेचर, सार्थक, निर्णय या दस्तखत। अनुपम खेर ने अपनी बालीवुड जर्नी की एक क्लिप भी इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा, सारांश से द कश्मीर फाइल्स तक। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में मैंने 38 साल पूरे कर लिए। इस दौरान मैंने 520 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स किए। मेरी अभी तक की जर्नी शानदार रही है। भगवान, देश, परिवार, दोस्तों के साथ ही सभी प्रोड्यूसर्स, डायरेक्टर्स, टेक्नीशियन का शुक्रिया। प्यार और शुभकामनाओं के लिए आडियंस का भी शुक्रिया। मुझे अपनी प्रार्थनाओं में हमेशा रखें। ओम नमः शिवाय।

'भूल भुलैया 2' ने 150 करोड़ का आंकड़ा किया पार

मुंबई (भाषा)। अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 2' ने अब तक घरेलू बाक्स आफिस पर 154 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। निर्माताओं ने सोमवार को यह घोषणा की। अनीस बज्मी निर्देशित मनोवैज्ञानिक 'हारर' कामेडी का निर्माण भूषण कुमार के नेतृत्व वाली टी-सीरीज और सिने 1 स्टूडियो ने किया है। कियारा आडवाणी, तब्बू और राजपाल यादव भी इस फिल्म में हैं जो 2007 में इसी नाम से आई अक्षय कुमार और विद्या बालन अभिनीत फिल्म की अगली कड़ी (सीक्वल) है। मीडिया में जारी बयान में निर्माताओं ने कहा, नई फिल्मों के रिलीज होने के बावजूद सिनेमाघरों में यह फिल्म टिकी हुई है। यह हारर कामेडी बड़ी कमाई कर रही है और इसने रिलीज के 17वें दिन तक कुल 154.82 करोड़ रुपए की कमाई की। आर्यन को देश भर के विभिन्न शहरों में अपनी फिल्म 'भूल भुलैया 2' की सफलता का जश्न मनाते देखा गया था। उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण उन्हें अबूधाबी में हाल में संपन्न आईफा पुरस्कार समारोह में अपना प्रदर्शन रद्द करना पड़ा था।

'द आर्चीज' के सेट से खुशी कपूर ने शेयर की तस्वीरें

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड फिल्मकार बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द आर्चीज' के सेट से सोशल मीडिया पर तस्वीर की है। खुशी कपूर जल्द ही बालीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' के साथ खुशी अपने अभिनय जीवन की शुरूआत करने जा रही हैं। इस समय खुशी ऊटी में फिल्म के अगले शेड्यूल की शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने ऊटी से तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपने किरदार के लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को खुशी कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। फोटो में खुशी ब्लैक कलर के टाप और जींस के साथ हरे रंग की जैकेट पहने हुए नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि फिल्म 'द आर्चीज' में खुशी कपूर के साथ शाहरूख खान की बेटी सुहाना खान अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी फिल्मों में डेब्यू करने जा रहे हैं। यह फिल्म चर्चित कामिक बुक 'आर्चीज' का बालीवुड एडेप्टेशन है।

'साल्ट सिटी' रियल फैमिली ड्रामा है: गौहर खान

मुंबई (आईएएनएस)। आगामी वेब सीरीज 'साल्ट सिटी' में एक अहम किरदार निभा रही अभिनेत्री गौहर खान का कहना है कि कहानी वास्तविक, जटिल और 'सर्वश्रेष्ठ पारिवारिक ड्रामा' में से एक है। शो का ट्रेलर पहले ही जारी किया जा चुका है जो दर्शकों को मुंबई शहर में रहने वाले एक शहरी मध्यवर्गीय परिवार की दुनिया से परिचित कराता है। शो में गौहर के साथ पीयूष मिश्रा, दिव्येंदु शर्मा, मनीष आनंद, प्रणय पचौरी, नवनी परिहार, निवेदिता भट्टाचार्य, ईशा चोपड़ा, जितिन गुलाटी और मोनिका चौधरी हैं। शो के बारे में बात करते हुए गौहर ने कहा, यह भारतीय वेब प्लेटफार्म पर हिट होने वाले सर्वश्रेष्ठ पारिवारिक ड्रामा में से एक होगा। यह ऋषभ अनुपम सहाय द्वारा लिखित और निर्देशित एक सुंदर श्रृंखला है। शो में निस्संदेह कुछ सबसे अद्भुत प्रदर्शन हैं और मैं लोगों द्वारा इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती। सनशाइन प्रोडक्शंस के सहयोग से अप्लाज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह शो सोनीलिव पर16 जून को रिलीज हो रहा है।

संक्षिप्त खबरें

गोदरेज एंड बॉयस को ठेका

बेंगलुरु। गोदरेज एंड बॉयस ने सोमवार को बताया कि उसकी इकाई गोदरेज एमईपी (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग) को बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (बीएलआर हवाई अड्डा) परियोजना से 107 करोड़ रुपए का एमईपी ठेका मिला है। गोदरेज समूह की प्रमुख कंपनी ने एक बयान में कहा कि परियोजना के दायरे में एक मल्टी-माडल ट्रांसपोर्टेशन हब (एमएमटीएच) शामिल है, जो बीएलआर हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 और टर्मिनल-2 के बीच बनाया जाएगा और लगभग नौ लाख वर्ग फुट क्षेत्र को कवर करेगा।

मारुति ने सौर संयंत्र लगाया

नई दिल्ली। मारुति ने हरियाणा में अपने मानेसर कारखाने में 20 मेगावॉट पीक क्षमता का सौर बिजली संयंत्र लगाया है। कंपनी ने कहा कि इस इकाई से सालाना 28,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। यह कारखाने में सालाना 67,000 से अधिक कारों के उत्पादन के लिए बिजली की जरूरत को पूरा करने के बराबर है। मारुति के एमडी एवं सीईओ हिसाशी ताकेयूची ने बयान में कहा, 'नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग समय की जरूरत है। हम देश को नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के मामले में समृद्ध बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को लेकर प्रतिबद्ध हैं।'

अधिग्रहण करेगी साइंट

नई दिल्ली। आईटी समाधान प्रदाता साइंट ने सोमवार को कहा कि वह पुर्तगाल स्थित वायरलेस इंजीनियरिंग सेवा फर्म सेलफिनेट को 4.1 करोड़ यूरो में एक नकद सौदे के तहत अधिग्रहित करेगी। इस अधिग्रहण के साथ हैदराबाद मुख्यालय वाली साइंट का लक्ष्य अपने वायरलेस इंजीनियरिंग व्यवसाय को मजबूत करना है। साइंट इस सौदे की 65 प्रतिशत राशि शुरुआत में देगी तथा बाकी 35 प्रतिशत राशि दो वर्षों में दी जाएगी, जो कंपनी के प्रदर्शन पर निर्भर है। यह जानकारी साइंट के प्रबंध निदेशक और सीईओ कृष्णा बोडानापु ने दी।

फ्यूज़न ने आयोजित किया वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

बुलंदशहर। महिलाओं के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फ्यूज़न माइक्रो फाइनेंस ने शहर में वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 110 महिलाओं ने भाग लिया और अपने वित्तीय ज्ञान को बढ़ाया। इस कार्यक्रम में अभिषेक (एलडीएम, पंजाब नेशनल बैंक, बुलंदशहर), पी. एस. सिंघल (पंजाब नेशनल बैंक, बुलंदशहर) और योगेन्द्र (एसआई, पुलिस विभाग, बुलंदशहर) ने अतिथि के रूप में भाग लिया। कंपनी की ओर से वरुण (आरएम), आदेश कुमार (एएम) अंशुल शर्मा (बीएम), आशीष त्यागी (एडमिन) ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में नाट्य रूपांतरण और वीडियो के द्वारा महिलाओं को वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न तरीकों जैसे बचत, खर्च, व सरकारी योजनाओं के विषय में जागरूक किया गया।

टाटा मोटर्स आपूर्ति करेगी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने सोमवार को कहा कि उसे ब्लूस्मार्ट इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से 10,000 एक्सप्रेस-टी ईवी इकाइयों की आपूर्ति का आर्डर मिला है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 10,000 इकाइयों का यह सौदा भारत का अब तक का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बेड़े का आर्डर है। यह आर्डर, दोनों कंपनियों के बीच पिछले साल अक्टूबर में 3,500 एक्सप्रेस-टी ईवी की आपूर्ति के लिए हुए सौदे के अतिरिक्त है। इनकी आपूर्ति जल्द शुरू होगी। (एजेंसी)

शार्ट टर्म कार लोन ही बेहतर

अपना घर और अपनी कार खरीदना हर व्यक्ति का ख्वाब होता है और इस ख्वाब को हकीकत में बदलने के लिए लोग बैंक से कर्ज लेते हैं। आज हम बात कर रहे हैं कार लोन लेकर ख्वाबों की कार खरीदने के बारे में। अगर आप कार लोन लेकर कार खरीदने का इरादा रखते हैं तो आपको कुछ बातों पर खास ध्यान देना होगा नहीं तो आपकी कार आपको कुछ महंगी पड़ेगी

कितना मिलता है लोन

सभी बैंक कार की कीमत का 85 फीसद तक लोन दे देते हैं। कुछ बैंक लोन लेने वाले की कर्ज अदा करने की क्षमता को देखते हुए इसमें कुछ कमी या बढ़ोतरी भी कर सकते हैं

कार लोन की अवधि

आमतौर पर सभी बैंक कार लोन तीन से पांच वर्ष की अवधि के लिए ही देते हैं। लेकिन कम अवधि के कार लोन और ज्यादा अवधि के कार लोन में बुनियादी रूप से कार की कीमत पर कुछ फर्क पड़ सकता है।

कार लोन का ब्याज

ज्यादातर सरकारी बैंकों में कार लोन की ब्याज दर 7 से 8.50 फीसद के आसपास चल रही है। निजी क्षेत्र के बैंकों में दरों में कुछ अंतर अवश्य हो सकता है लेकिन यह अंतर आधा फीसद का ही होता है।

कितनी अवधि का कर्ज लेना सही

चूंकि कार लोन की अधिकतम अवधि करीब आठ साल होती है और न्यूनतम अवधि तीन साल। इसलिए न्यूनतम अवधि का कार लोन लेना ही मुनासिब होता है। इसकी वजह यह होती है कि आठ साल की अवधि के लिए आपको इतना ज्यादा ब्याज अदा करना पड़ जाएगा कि कार की कीमत काफी ज्यादा हो जाएगी। ज्यादा अवधि का कार लोन लेने वालों से बैंक करीब आधा फीसद तक ज्यादा ब्याज वसूलते हैं

विभिन्न अवधि के आठ फीसद की दर के कार लोन

अवधि	लोन	ईएमआई	ब्याज	कुल अदायगी
3 वर्ष	₹400000	₹12535	₹51244	₹451244
4 वर्ष	₹400000	₹9765	₹68728	₹468728
5 वर्ष	₹400000	₹8111	₹86633	₹486633
7 वर्ष	₹400000	₹6234	₹123697	₹523697

सोने में 43 रुपए की तेजी, चांदी 850 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली (भाषा)। वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच दिल्ली सराफा बाजार में सोमवार को सोना 43 रुपए की तेजी के साथ 50,908 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,865 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 850 रुपए बढ़कर 62,211 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 61,361 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कहा, 'न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की कीमतों में मजबूती के अनुरूप दिल्ली में 24 कैरेट हाजिर सोना के भाव में 43 रुपये की तेजी आई।

बढ़ सकती है रेपो दर

■ मौद्रिक नीति की बैठक शुरू हुई ■ बैठक के निर्णयों का ऐलान कल

■ ऊंची मुद्रास्फीति के दबाव में कई सख्त कदम उठा सकता है भारतीय रिजर्व बैंक

मुंबई (भाषा)।

नीतिगत दरों के बारे में फैसला करने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक सोमवार को शुरू हुई। माना जा रहा है कि केंद्रीय बैंक बढ़ती मुद्रास्फीति पर अंकुश के लिए कुछ सख्त नीतिगत कदम उठा सकता है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास बुधवार को एमपीसी की बैठक में नीतिगत दरों के बारे में लिए गए फैसले की जानकारी देंगे। दास पहले ही संकेत दे चुके है कि एमपीसी की इस द्विमासिक समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में एक बार फिर बढ़ोतरी की जा सकती है। आरबीआई ने गत चार मई को बिना किसी पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के अचानक रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सबको चौंका दिया था। इसके लिए दास ने बढ़ती मुद्रास्फीति की चुनौती को जिम्मेदार बताया था। तमाम विश्लेषकों को मौजूदा समीक्षा बैठक में भी एक और वृद्धि किए जाने की उम्मीद है। ऐसी चर्चाएं है कि आरबीआई रेपो दर में 0.35 प्रतिशत से 0.40 प्रतिशत की एक और वृद्धि

कर सकता है। फिलहाल रेपो दर 4.40 प्रतिशत पर है।

बहरहाल कुछ बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मुद्रास्फीति के अप्रैल में आठ साल के शीर्ष स्तर पर पहुंच जाने के बाद रिजर्व बैंक बुधवार को रेपो दर में 0.40 प्रतिशत से भी ज्यादा की बढ़ोतरी कर सकता है। आरबीआई का मुद्रास्फीति के लिए संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत का है लेकिन अब यह आठ प्रतिशत के आसपास पहुंच गई है। मुद्रास्फीति में इस बढ़ोतरी के लिए जिंसों एवं ईंधन के दामों में हुई वृद्धि को जिम्मेदार माना जा रहा है। खासकर फरवरी के अंत में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से मुद्रास्फीति में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। थोक-मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 13 माह से दहाई अंक में बनी हुई है और अप्रैल, 2022 में यह रिकार्ड 15.08 प्रतिशत पर पहुंच गई।

ऐसे हालात में केंद्रीय बैंक के पास ब्याज दर बढ़ाने के मोर्चे पर विकल्प बहुत सीमित ही रह गए है। कोटक महिंद्रा बैंक की समूह अध्यक्ष (उपभोक्ता बैंकिंग) शांति एकम्बरम का कहना है कि बढ़ती मुद्रास्फीति के दौर में एमपीसी जून की बैठक में 0.35-5.0 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है।

बैंक नोटों पर महात्मा गांधी के चित्र को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं : आरबीआई

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि बैंक नोटों पर महात्मा गांधी के चित्र को बदलने का कोई प्रस्ताव नही है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि मीडिया के कुछ वर्गो में ऐसी खबरें आई है कि भारतीय रिजर्व बैंक महात्मा गांधी के चित्र को अन्य लोगों के साथ बदलकर मौजूदा मुद्रा और बैंक नोटों में बदलाव करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

■ नोटों पर कलाम, टैगोर समेत कई प्रमुख हस्तियों का फोटो छापने पर हो रही थी चर्चा

बयान में कहा गया, 'रिजर्व बैंक में ऐसा कोई प्रस्ताव नही है।' पिछले दिनों कुछ खबरों में बताया गया था कि वित्त मंत्रालय और आरबीआई कुछ मूल्यवर्ग के बैंक नोटों पर रवीद्रनाथ टैगोर और एपीजे अब्दुल कलाम सहित अन्य प्रमुख भारतीयों के चित्रों का उपयोग करने पर विचार कर रहे है।

वाहनों की खुदरा बिक्री में सुस्ती बरकरार

■ मई में कुल खुदरा बिक्री में 10 फीसद की गिरावट ■ यात्री वाहनों और ट्रैक्टरों की बिक्री में हुआ सुधार

नई दिल्ली (भाषा)।

आटोमोबाइल डीलरों के निकाय फाडा ने कहा कि यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने बढ़ी है, लेकिन दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री अभी भी कोविड से पहले के महीने मई 2019 की तुलना में कम रही। मई 2019 के मुकाबले मई 2022 में कुल खुदरा बिक्री में दस फीसद की गिरावट दर्ज की गई है।

फाडा ने सोमवार को कहा कि मई में कुल ऑटो खुदरा बिक्री 16,46,773 इकाई रही, जबकि मई 2019 में यह आंकड़ा 18,22,900 इकाई था।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने एक बयान में कहा, "मई 2019 की तुलना में मई 2022 की खुदरा बिक्री से पता चलता है कि बिक्री अभी भी वृद्धि के रास्ते पर नही है, क्योंकि कुल खुदरा बिक्री में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, यात्री वाहनों और ट्रैक्टरों का सकारात्मक प्रदर्शन जारी है, लेकिन... दोपहिया, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में स्वस्थ सुधार का अभी इंतजार है।"

रिपोर्ट

उन्होंने कहा कि मई 2021 के साथ सालाना आधार पर तुलना करें, तो सभी श्रेणियों में स्वस्थ वृद्धि दर है, लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि मई 2021 और मई 2020 दोनों ही कोविड महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन से प्रभावित थे। गुलाटी ने कहा कि इसलिए पिछले महीने के आंकड़ों की तुलना मई 2019 के साथ करना उचित होगा, जो कोविड से पहले का एक सामान्य महीना था। खुदरा बिक्री मई 2021 में 86,479 इकाई और मई 2020 में 31,951 इकाई थी।

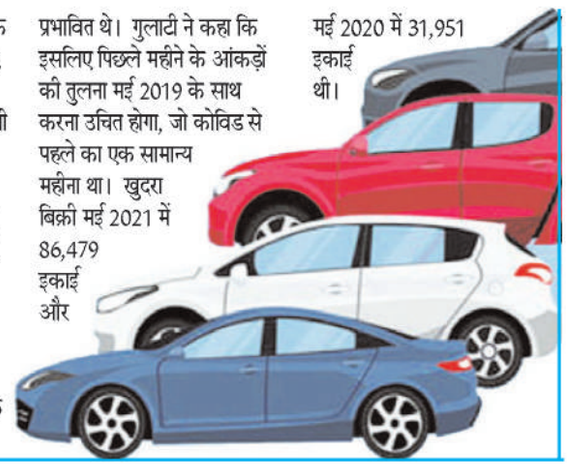

म्यूचुअल फंड नियमों में होंगे बदलाव

■ सेबी ने एमएफ उद्योग के लिए बनाई गई सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया

नई दिल्ली (भाषा)।

सेबी ने म्यूचुअल फंड पर गठित अपनी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व डिप्टी गवर्नर उषा थोराट को इसका प्रमुख बनाया है। सेबी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इस 25 सदस्यीय सलाहकार समिति की अध्यक्षता थोराट करेंगी। इससे पहले इस समिति में 24 सदस्य शामिल थे।

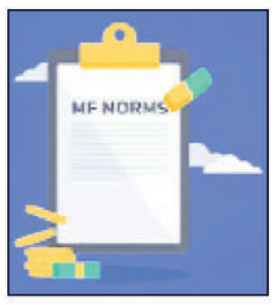

इस समिति को म्यूचुअल फंड उद्योग के विनियमन और विकास से संबंधित मुद्दों पर सेबी को सलाह देनी है। यह नियामक को खुलासा संबंधी जरूरतों और म्यूचुअल फंड नियमों में सरलीकरण और पारदर्शिता लाने के लिए कानूनी ढांचे में बदलाव के लिए जरूरी उपायों पर भी सलाह दे सकती है। नियामक ने सलाहकार समिति में एनजे इंडिया इन्वेस्टमेंट के अध्यक्ष नीरज चोकसी को शामिल किया है। अन्य सदस्यों में एसबीआई म्यूचुअल फंड में स्वतंत्र न्यासी सुनील गुलाटी और डीएसपी म्यूचुअल फंड में स्वतंत्र न्यासी धर्मिष्ठ नरेंद्रप्रसाद रावल शामिल है। टाटा एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रथित डी भोबे, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के एमडी एवं सीईओ विनय टोनसे, मिराई एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) के सीईओ स्वरूप मोहंती, सुंदरम एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी सुनील सुब्रमण्यम, मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी एवं सीईओ नवीन अग्रवाल और भारतीय म्यूचुअल फंड एसोसिएशन (एएमएफआई) के अध्यक्ष ए बालसुब्रमण्यम भी समिति का हिस्सा हैं।

इसके अलावा बीएसई, एनएसई, कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज (सीएएमएस), केफिन टेक्नोलॉजीज के प्रमुखों के साथ वित्त मंत्रालय एवं सेबी के प्रतिनिधि भी इस समिति में शामिल किए गए है।

दिवाला कार्यवाही के आदेश पर एनसीएलएटी की रोक

नई दिल्ली (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने आरएचसी होल्डिंग के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने के आदेश पर रोक लगा दी है।

आरएचसी होल्डिंग दरअसल रैनबैक्सी (पूर्व नाम) और फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व संस्थापकों एवं भाइयों शिविंदर सिंह और मलविंदर सिंह समर्थित कंपनी है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के फैसले के खिलाफ दाइची सांक्यो की अपील को स्वीकार करने के बाद यह रोक लगाई है।

एनसीएलटी ने इससे पहले आरएचसी होल्डिंग के खिलाफ कारपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने का निर्देश दिया था।

सेंसेक्स 94 अंक टूटा

मुंबई (भाषा)। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 94 अंक टूटकर बंद हुआ। इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल के दाम में तेजी से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 93.91 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,675.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 473.49 अंक तक नीचे चला गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 14.75 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,569.55 अंक पर बंद हुआ।

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टाक ब्रोकर्स के इक्विटी शोध प्रमुख (बुनियादी) नरेंद्र सोलंकी ने कहा, 'एशियाई बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुले। दोपहर के कारोबार के दौरान बाजार कुछ बढ़त में आया। बाजार में आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले अनिर्णय की स्थिति बनी हुई है।' आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक सोमवार को शुरू हुई। समिति बुधवार को मौद्रिक समीक्षा जारी करेगी। सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, डा. रेड्डीज, नेस्ले, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एक्सिस बैंक सर्वाधिक नुकसान में रहे। इसके उलट, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे।

दो बैंकों का कर्ज महंगा

नई दिल्ली (भाषा)। केनरा बैंक और करुर वैश्य बैंक ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अपनी ऋण दरों में संशोधन किया है, जिसके चलते इनसे जुड़े कर्ज की मासिक किस्त (ईएमआई) में बढ़ोतरी होगी। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने एक साल की अवधि वाली कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) को 0.05 प्रतिशत बढ़ाकर 7.40 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने छह महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर दर भी 7.30 फीसद से बढ़ाकर 7.35 फीसद कर दी है। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि नई दरें सात जून से प्रभावी है। ज्यादातर ऋण एक साल की अवधि वाले एमसीएलआर से जुड़े होते है।

इस बीच, निजी क्षेत्र के करुर वैश्य बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसने बेंचमार्क प्रधान ऋण दर (बीपीएलआर) को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 13.75 प्रतिशत और आधार दर को भी 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 8.75 प्रतिशत कर दिया है। बीपीएलआर, एमसीएलआर व्यवस्था से पहले उधार देने का पुराना मानक है। दरों में बढ़ोतरी रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के नतीजे आने से कुछ दिन पहले हुई है।

'वर्क फ्रोम होम' अभी कहीं नहीं जाने वाला : सिरिल

कोलकाता (भाषा)। रियल एस्टेट शोध एजेंसी सिरिल ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के बाद 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम करना) 'वास्तविकता' बन गया है और यह अभी कही नही जाने वाला।

सिरिल ने कहा कि अब ऐसे लचीले स्थलों की मांग बढ़ रही है जो शहरी केंद्रों में सुविधाजनक गंतव्य में स्थित हों और जहां कर्मचारियों की पहुंच सुगम हो। एजेंसी के अनुसार, अधिक कर्मचारियों के काम करने के मिश्रित विकल्प को अपनाने की संभावना के साथ कार्यलय स्थल की मांग लघु अवधि के लिए कम हो सकती है।

जीसीसी से भारत का व्यापार बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत का खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सभी छह सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2021-22 में तेजी से बढ़ा है।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जीसीसी को भारत का निर्यात 2021-22 में 58.26 प्रतिशत बढ़कर लगभग 44 अरब डालर हो गया है, जो 2020-21 में 27.8 अरब डालर था। इसी के साथ इन छह देशों का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा 2020-21 के 9.51 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 10.4 प्रतिशत हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, इसी तरह जीसीसी से

आयात भी 2020-21 में 59.6 अरब डालर के मुकाबले बीते वित्त वर्ष में 85.8 प्रतिशत बढ़कर 110.73 अरब डालर हो गया।

वहीं, जीसीसी सदस्य देशों का भारत के कुल आयात में हिस्सा 2021-22 में बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया, जो 2020-21 में 15.5 प्रतिशत था। मंत्रालय ने बताया कि भारत और जीसीसी के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2021-22 में उछलकर 154.73 अरब डॉलर का हो गया। 2020-21 में यह 87.4 अरब डॉलर का था। ये आंकड़े इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि भारत जीसीसी देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने की तैयारी में है।

नवीकरणीय ऊर्जा से उद्योगों ने घटाया बिजली बिल

■ इस्पात व सीमेंट समेत कई क्षेत्रों की कंपनियों ने नवीकरणीय ऊर्जा के जरिए कम किया है अपना बिल

नई दिल्ली (भाषा)।

मेरकॉम इंडिया के अनुसार इस्पात और सीमेंट सहित विभिन्न क्षेत्रों की वाणिज्यिक और औद्योगिक संस्थाओं ने नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके अपने बिजली खर्च को कम किया है।

मेरकॉम इंडिया ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बेंगलुरु में आयोजित 'सीएंडआई स्वच्छ ऊर्जा बैठक 2022' में सौर, आईटी, आटोमोबाइल, विनिर्माण, रसायन, कपड़ा और एफएमसीजी क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों की भागीदारी देखी गई। शोध फर्म ने कहा, 'नारायण हेल्थ सौर ऊर्जा के माध्यम से हर साल चार करोड़ रुपए से अधिक की बचत कर रहा है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने तीन अलग-अलग राज्यों में अपनी विनिर्माण इकाइयों में कुल 2.5 मेगावाट की क्षमता के साथ रूफटॉप सोलर इंस्टालेशन के जरिए 2016 से 7.5 करोड़ रुपए से अधिक की बचत की है।'

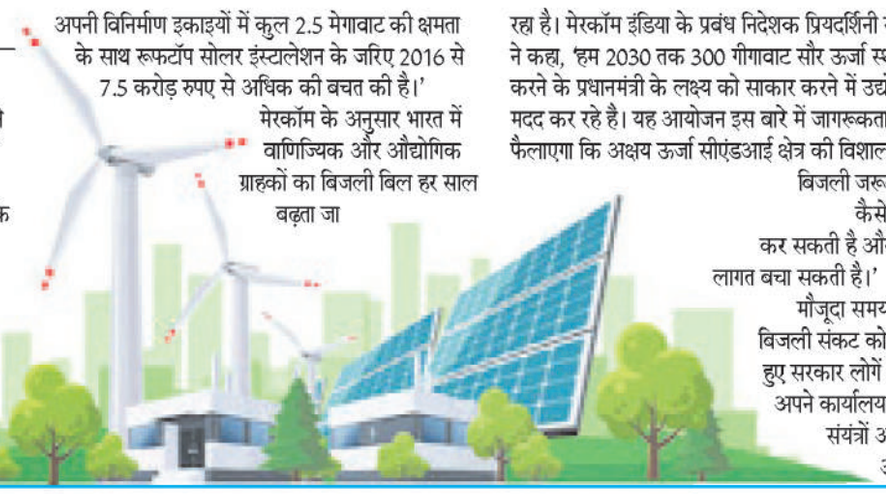

मेरकॉम के अनुसार भारत में वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों का बिजली बिल हर साल बढ़ता जा रहा है। मेरकॉम इंडिया के प्रबंध निदेशक प्रियदर्शिनी संजय ने कहा, 'हम 2030 तक 300 गीगावाट सौर ऊर्जा स्थापित करने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को साकार करने में उद्योगों की मदद कर रहे है। यह आयोजन इस बारे में जागरूकता फैलाएगा कि अक्षय ऊर्जा सीएंडआई क्षेत्र की विशाल बिजली जरूरतों को कैसे पूरा कर सकती है और लागत बचा सकती है।'

मौजूदा समय में बिजली संकट को देखते हुए सरकार लोगों को अपने कार्यालय, संयंत्रों और आम

रुपया दो पैसे की तेजी के साथ 77.64 प्रति डालर पर

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख के अनुरूप विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया दो पैसे की तेजी के साथ 77.64 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ।

बाजार सूत्रों ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी पूंजी की बाजार से सतत निकासी और घरेलू शेयर बाजार के कमजोर होने से रुपए की तेजी पर कुछ अंकुश लग गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपए में सीमित दायरे में कारोबार हुआ। डालर के मुकाबले रुपया 77.65 पर खुला। दिन के कारोबार में ऊंचे में 77.55 और नीचे में 77.67 तक गया। अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की तेजी के साथ 77.64 प्रति डालर पर बंद हुआ।

शीर्ष तीर्थस्थलों में वाराणसी, पुरी, तिरुपति, अमृतसर व शिरडी शामिल

नई दिल्ली (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) अब हरित खनन विकल्पों का लक्ष्य लेकर चल रही है और प्रौद्योगिकी की मदद से भूमिगत खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है। सीआईएल के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ पारिस्थितिकी के लिए अनुकूल मानी जाने वाली भूमिगत खदानों से उत्पादन बढ़ाने के लिए नई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर कंपनी का ध्यान है। इसके अलावा कोयले के पर्यावरणानुकूल परिवहन के लिए कंपनी देशभर में 35 कोयला भंडारण केंद्र विकसित करने में भी लगी हुई है।

सीआईएल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कोयले एवं अन्य जीवाश्म ईंधनों के जलने से वैश्विक जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंताएं गहरा रही है। जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। अग्रवाल ने कहा, 'सीआईएल हरित खनन विकल्पों का भी लक्ष्य लेकर चल रही है और अपने भूमिगत उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रही है।' उन्होंने कहा कि सीआईएल पर्यावरण संरक्षण और अपने खनन क्षेत्रों के इर्दगिर्द एक हरित छतरी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 30.4 लाख से अधिक पौधे लगाए।

खबर संक्षेप

अल्टीमेट खो-खो लीग: अडानी ने खरीदी टीम

नई दिल्ली। देश के बड़े कारपोरेट घरानों अडानी समूह और जीएमआर समूह ने अल्टीमेट खो-खो लीग की क्रमशः गुजरात और तेलंगाना फ्रेंचाइजी खरीदी हैं। यह लीग इस साल शुरू होगी जिसका लक्ष्य इस घरेलू खेल को बढ़ावा देना है। फ्रेंचाइजी आधारित इस खो-खो लीग को डाबर समूह के चेयरमैन अमित बर्मन भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के साथ मिलकर प्रमोट कर रहे हैं। जीएमआर समूह ने दक्षिण भारत में खो-खो की लोकप्रियता को भुनाने के लिए तेलंगाना की टीम को चुना है। अल्टीमेट खो-खो का सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया और इसके ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

मदप्पा इंग्लैंड में छठे स्थान पर रहे

न्यूकासल। भारत के विराज मदप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंग्लैंड में 20 लाख डॉलर इनामी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ सीरीज में संयुक्त छठा स्थान

हासिल किया। एशियाई टूर पर एक खिताब जीत चुके मादप्पा टूर्नामेंट के दौरान खिताब के दावेदार थे लेकिन तीसरे दौर में ट्रिपल बोगी के कारण पिछड़ गए। मादप्पा ने रविवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन पार 71 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर पांच अंडर रहा। जिंबाब्वे के स्कॉट विन्सेंट ने लगातार दूसरे हफ्ते खिताब जीता।

रबिंद्र का दूसरे दौर में प्रभावी प्रदर्शन

बेंगलुरु। बेंगलुरु में जन्मे अखिल रबिंद्र फ्रांस के मार्सिले के समीप ला कास्ले में सर्किट पॉल रिकार्ड में यूरोपीय जीटी4 सीरीज के दूसरे

दौर की दो रेस में पांचवें और सातवें स्थान पर रहे। रेसिंग स्पिरिट आफ लीमान का प्रतिनिधित्व कर रहे अखिल ड्राइवरों के सिल्वर वर्ग की ओवरऑल सूची में तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। उनके खाते में 46 अंक थे। रेसिंग स्पिरिट आफ लीमान की टीम ओवरऑल टीम तालिका में 81 अंक के साथ शीर्ष पर है।

सॉयर बने न्यूजीलैंड महिला टीम के कोच

आकलैंड। आस्ट्रेलिया के बेन सॉयर को दो साल के लिए न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। सॉयर 2018 से

आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर रहे थे। वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच भी हैं और साथ ही महिला बिग बैश लीग टीम सिडनी सिक्सर्स के मुख्य कोच की भूमिका भी निभा चुके हैं। सॉयर सोमवार को बे ओवल में ट्रेनिंग शिविर के दौरान वाइट फर्न्स (न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम का लोकप्रिय नाम) के साथ जुड़ गए।

सिंधू, सेन की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर

जकार्ता। थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय टीम के नायक रहे लक्ष्य सेन और एच एस प्रणय मंगलवार से शुरू हो रहे इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं। इस सुपर सीरीज 500 स्पर्धा के महिला वर्ग एक बार फिर पीवी सिंधू और साइना नेहवाल से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें होगी। भारतीय खिलाड़ी 28 जुलाई से शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से पहले इस टूर्नामेंट से लय हासिल करना चाहेंगे।

फुटबॉल : मैत्री मैच में एस्टोनिया को 5-0 से दी करारी शिकस्त

मेस्सी ने अर्जेंटीना की ओर से दागे 5 गोल 86 अंतरराष्ट्रीय गोल, चौथे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी ▶▶| पेंपलोना

दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने स्पेन में मैत्री फुटबॉल मैच में एस्टोनिया के खिलाफ 5-0 की जीत के दौरान पहली बार अर्जेंटीना की ओर से पांच गोल दागे और अंतरराष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल में सर्वाधिक गोल दागने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए। अर्जेंटीना की टीम पिछले 33 मुकाबलों से अजेय है।

- अर्जेंटीना की टीम पिछले 33 मुकाबलों से अजेय

मेस्सी ने पहले हाफ में पेनल्टी किक पर गोल सहित दो गोल दागे और फिर दूसरे हाफ में तीन और गोल दागकर अपने अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या को 86 तक पहुंचाया। अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने इस दौरान हंगरी के पूर्व महान खिलाड़ी फ्रेनेक पुस्कास को पीछे छोड़ा जिनके नाम पर 84 गोल दर्ज हैं। मेस्सी ने इससे पहले अर्जेंटीना की ओर से सीनियर स्तर पर कभी किसी मैच में पांच गोल नहीं दागे थे।

रोनाल्डो 117 गोल के साथ शीर्ष पर

पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो 117 गोल के साथ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल दागने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने रविवार को नेशन्स लीग में स्विट्जरलैंड के खिलाफ पुर्तगाल की 4-0 की जीत में भी दो गोल दागे। उनके बाद ईरान के अली देई (109) और मलेशिया के मुख्तार दहारी (89) का नंबर आता है।

वेल्स ने यूक्रेन को हराकर 64 साल बाद विश्व कप में बनाई जगह

कार्डिफ। वेल्स ने आंद्रेई यारमोलेंको के आत्मघाती गोल से रविवार को यहां यूक्रेन को 1-0 से हराकर 64 साल बाद फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। एक समय दुनिया के सबसे महंगे फुटबॉलरों में शामिल रहे वेल्स के कप्तान गैरेथ बेल कमर में जकड़न के बावजूद मैदान पर उतरे और 34वें मिनट में उनकी फ्री किक को रोकने के प्रयास में यारमोलेंको ने हैडर से गेंद को अपने ही गोल में डाल दिया। फीफा के दो विश्व कप में क्वालीफाई करने के बीच यह किसी टीम के लिए सबसे बड़ा अंतर है।

नेशन्स लीग: रोनाल्डो के दो गोल से जीता पुर्तगाल

जिनेवा। पुर्तगाल की नेशन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में रविवार को स्विट्जरलैंड पर 4-0 की जीत के दौरान स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दो गोल दागकर अपने विश्व रिकॉर्ड गोल की संख्या को 117 तक पहुंचा दिया। पहले हाफ में दो गोल करने के बाद रोनाल्डो (35वें और 39वें मिनट) ने मध्यांतर से पहले गोल करने के दो और मौके गंवाए। विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी दो टीम के बीच लिस्बन में हुए लीग एक के इस मुकाबले में हालांकि पुर्तगाल का दबदबा रहा। पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा विलियम कार्वाल्हो (15वें मिनट) और जाओ कैंसेलो (68वें मिनट) ने भी गोल दागे। नवंबर में अपने पांचवें विश्व कप में खेलने जा रहे 37 साल के रोनाल्डो के अब 188 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 117 गोल हो चुके हैं।

साब्ले 5वें स्थान पर 8वीं बार तोड़ा अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड

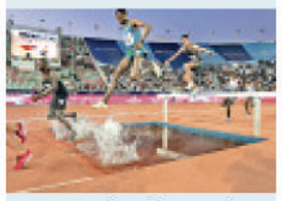

रबात। भारत के अविनाश साब्ले यहां प्रतिष्ठित डाइमंड लीग मीट में पांचवें स्थान पर रहे और इस दौरान उन्होंने 3000 मीटर स्टीपलचेज में आठवीं बार अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। महाराष्ट्र के बीड जिले के रहने वाले सेना के 27 साल के साब्ले ने रविवार को शीर्ष खिलाड़ियों के बीच आठ मिनट 12.48 सेकेंड का समय लिया। उन्होंने मार्च में तिरूवनंतपुरम में इंडियन ग्रां प्री के दौरान आठ मिनट 16.21 सेकेंड के अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में तीन सेकेंड से अधिक का सुधार किया।

स्थानीय दावेदार और टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता सोफियान अल बक्काली ने मीट रिकॉर्ड सात मिनट 58.28 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। इथोपिया के टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता लामेचा गिरमा सात मिनट 59.24 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उनके हमवतन हेलमेरियम तेगेगन ने आठ मिनट 6.29 सेकेंड के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। रियो ओलंपिक 2016 चैंपियन कीनिया के कोन्सेसलेस किप्रुतो ने आठ मिनट 12.47 सेकेंड के साथ चौथा स्थान पर रहे। किप्रुतो भारत के साब्ले से एक सेकेंड के सौवें हिस्से से आगे रहे।

नॉर्वे शतरंज : आनंद ने फिर कार्लसन को दी शिकस्त, शीर्ष पर बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| स्टेवेंगर

महान भारतीय खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में क्लासिकल वर्ग के पांचवें दौर में सोमवार को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए। क्लासिकल वर्ग से पहले हुए ब्लिट्ज वर्ग में नॉर्वे के सुपरस्टार कार्लसन को हराने के बाद आनंद ने एक बार फिर रोमांचक आर्मेगेडोन (सडन डेथ बाजी) बाजी में उन्हें हराया। नियमित बाजी 40 चाल के बाद ड्रॉ रहने के बाद आर्मेगेडोन बाजी खेली गई थी। आर्मेगेडोन बाजी में 52 साल के आनंद ने अपना पुराना जादू दिखाते हुए कार्लसन को 50 चाल में हराया।

- एक सप्ताह में आनंद ने वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन को दूसरी बार हराया

इस जीत से भारतीय ग्रैंडमास्टर के 10 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर चल रहे हैं जबकि चार दौर का खेल होना बाकी है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेल रहे हैं। आनंद ने क्लासिकल वर्ग की शुरुआत फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव, बुल्गारिया के वेसेलिन टोपालोव और चीन के हाओ वैंग के खिलाफ लगातार तीन बाजी जीतकर की थी। आनंद के खिलाफ हार के बावजूद कार्लसन 9.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर चल रहे हैं।

यूएई आईएलटी20 में छह में से पांच टीमें भारतीय कंपनियों की

दुबई। अमीरात क्रिकेट बोर्ड छह जनवरी से 12 फरवरी 2023 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट लीग (आईएलटी20) के शुरुआती सत्र की मेजबानी करेगा जिसमें शामिल छह टीमों में से पांच का संबंध भारतीय कंपनियों से है। इंडियन प्रीमियर लीग की तीन टीमों के मालिकाना हक वाली कंपनियों ने इस लीग में टीमें

खरीदी हैं। छह फ्रैंचाइजी में से पांच भारतीय कंपनियों से जुड़ी हैं, जिनमें मुंबई इंडियंस का मालिकाना हक रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, शाहरुख खान का नाइट राइडर्स समूह, दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर, अडानी स्पोर्ट्स लाइन और कैपरी ग्लोबल के अलावा लांसर कैपिटल्स की टीमें शामिल हैं। लांसर कैपिटल्स मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक ग्लेजर परिवार से संबंधित कंपनी है।

डेब्यू पर पारकर का शतक मुंबई की मजबूत शुरुआत

एजेंसी ▶▶| अलूर

मुंबई ने उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में सोमवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक तीन विकेट पर 304 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

- रणजी क्वार्टर फाइनल : तीन विकेट पर बनाए 304 रन

पदार्पण कर रहे युवा बल्लेबाज सुवेद पारकर के नाबाद 104 रन और सरफराज खान (नाबाद 69) तथा अरमान जाफर (60) ने शानदार अर्धशतक बनाए। भारत की अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके पारकर ने इस दौरान दो शतकीय साझेदारी निभाई। उन्होंने जाफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 112 रन जोड़ने के बाद सरफराज के साथ चौथे विकेट के लिए 128 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। उत्तराखंड के लिए तीनों विकेट दीपक धपोल ने लिए। उन्होंने 18 ओवर में 53 रन दिए। उत्तराखंड को पहले गेंदबाजी का न्योता मिलने के बाद धपोल (तीन विकेट) पहले सत्र में पृथ्वी साव (21) और यशस्वी जायसवाल (35) को आउट अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद जाफर और पारकर ने शानदार साझेदारी कर गेंदबाजों का मनोबल तोड़ दिया। पारकर और जाफर की साझेदारी को भी धपोल ने ही तोड़ा।

भारतीय क्रिकेट टीम ने बहाया पसीना

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले भारत के शुरुआती अभ्यास सत्र के दौरान उमरान मलिक ने देर तक गेंदबाजी की लेकिन इस दौरान उनके साथी गेंदबाज अर्शदीप ने अपने यॉर्कर कौशल से अधिक प्रभावित किया। इन दोनों युवा खिलाड़ियों को हालांकि भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान की मौजूदगी के कारण टीम में जगह मिलने का इंतजार करना पड़ सकता है। भारतीय टीम ने कोच राहुल द्रविड़ और पारस महाम्ब्रे की देखरेख में शाम के सत्र में जमकर पसीना बहाया।

सुदीप का नाबाद शतक, झारखंड ने बनाए 310 रन

बेंगलुरु। सुदीप कुमार घारामी के नाबाद शतक से बंगाल ने झारखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में पहले दिन सोमवार को एक विकेट पर 310 रन बना लिए। प्रारंभिक दौर के मुकाबलों के बाद ब्रेक के बाद रणजी ट्रॉफी नॉकआउट मुकाबले कल से शुरू हुए। झारखंड के कप्तान सौरभ तिवारी ने जस्ट क्रिकेट अकादमी मैदान पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया लेकिन बंगाल के बल्लेबाजों ने उनके फैसले को गलत साबित कर दिया।

सौरभ ने चार, मावी ने ने झटके 3 विकेट

बेंगलुरु, छह जून (भाषा) बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार और तेज गेंदबाज शिवम मावी ने मिलकर सात विकेट चटकाए जिससे उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल के पहले दिन कर्नाटक का स्कोर सात विकेट पर 213 रन कर दिया। सौरभ ने 67 रन देकर चार जबकि मावी ने 40 रन देकर तीन विकेट चटकाए हैं। कर्नाटक की ओर से सिर्फ सलामी बल्लेबाज रविकुमार समर्थ (57) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए।

पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंची गॉफ को 10 स्थान का फायदा

कोको सर्वश्रेष्ठ 13वें और चौथे स्थान पर पहुंचे नडाल

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अमेरिका की कोको गॉफ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक के खिलाफ शिकस्त के बाद सोमवार को जारी डब्लूटीए रैंकिंग में कॅरियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गई।

- कोको को रोलां गैरो पर एकल और युगल दोनों के फाइनल में मिली हार

पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंची फ्लोरिडा में रहने वाली 18 साल की गॉफ को 10 स्थान का फायदा हुआ है। उन्हें शनिवार को फाइनल में स्वियातेक ने 6-1, 6-3 से हराया था। गॉफ इससे पहले कभी किसी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। वह रोलां गैरो पर एकल और युगल दोनों के फाइनल में पहुंची लेकिन हार गईं। उनकी युगल जोड़ीदार जेसिका पेगुला ने भी पहली बार एकल वर्ग के शीर्ष 10 में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंची जेसिका 11वें से आठवें स्थान पर पहुंच गई हैं। जेसिका को भी स्वियातेक ने ही हराया था और वह लगातार 35 मुकाबले जीत चुकी हैं। पिछले साल फ्रेंच ओपन एकल और युगल खिताब जीतने वाली बारबरा क्रेसिकोवा पेशेवर युग में रोलां गैरो पर ट्रॉफी जीतने के बाद अगले टूर्नामेंट के पहले दौर में हारने वाली सिर्फ तीसरी महिला खिलाड़ी बनीं। वह नवीनतम रैंकिंग में दूसरे से 14वें स्थान पर खिसक गई हैं।

नडाल को एक स्थान का फायदा

पूर्व नंबर एक पुरुष खिलाड़ी रफेल नडाल रविवार को 14वां फ्रेंच ओपन और कॅरियर का 22 वां ग्रैंडस्लैम जीतने की बदौलत एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। सर्बिया के नोवाक जोकोविच शीर्ष पर बने हुए हैं। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच को हराने वाले नडाल ने फाइनल में कास्पर रूड को 6-3, 6-3, 6-0 से शिकस्त दी। पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में खेलने वाले रूड आठवें से कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे से श्रीलंका को मिलेगी बड़ी वित्तीय मदद

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के छह सप्ताह के दौरे का सकारात्मक असर हो सकता है। श्रीलंका क्रिकेट ने सोमवार को कहा कि तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय, पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के टिकटों से होने वाली आय को जनकल्याणकारी कार्यों के लिए दान किया जाएगा।

एसएलसी सचिव मोहन डी सिल्वा ने कोलंबो में संवाददाताओं से कहा, 'ये हमारे लोगों के लिए कठिन समय है। हम वास्तव में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई सरकार के आभारी हैं कि एक राष्ट्र के रूप में कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद वे इस श्रृंखला का समर्थन कर रहे हैं।' श्रीलंका 1948 में स्वतंत्र होने के बाद सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहा है। श्रृंखला का आगाज मंगलवार यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम में टी20 मैच से होगा।

कोरोना महामारी के शुरू होने के बाद पहली बार स्टेडियम की क्षमता के मुताबिक दर्शकों के आने की मंजूरी होगी।

व्यय प्रेक्षक डी. लक्ष्मीकान्थ ने मातहतों संग की बैठक

आजमगढ़। मा0 व्यय प्रेक्षक डी0 लक्ष्मीकान्थ (आईआरएस 2008) द्वारा सर्किट हाउस के सभागार में अनुवीक्षण व्यय से संबंधित नोडल अधिकारियों, जिसमें मुख्य कोषाधिकारी विजय शंकर, आयकर अधिकारी, जीएसटी अधिकारी, एलडीएम यूबीआई, लेखा टीम एवं सहायक व्यय प्रेक्षकों के साथ बैठक की गयी। बैठक के दौरान लोक सभा उप निर्वाचन 2022 के अन्तर्गत चुनाव से संबंधित आयोग द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देश के बारे में बताया गया। मा0 व्यय प्रेक्षक ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिये कि चुनाव को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। मा0 व्यय प्रेक्षक द्वारा लोक सभा उप निर्वाचन 2022 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए लगाये गये स्टैटिक सर्विलांस टीम एवं फ्लाइंग स्क्वायड टीम को निर्देश दिये कि अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में दिये गये उत्तरदायित्वों को जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते रहें। इसी के साथ ही मा0 व्यय प्रेक्षक द्वारा कलेक्ट्रेट भवन में स्थापित निर्वाचन कन्ट्रोल रूम एवं सी-विजिल से संबंधित समस्त प्रक्रियाओं के बारे में संबंधित अधिकारी से जानकारी प्राप्त की एवं सी-विजिल ऐप पर प्राप्त शिकायतों का परीक्षण भी किया गया। इसी के साथ ही मा0 व्यय प्रेक्षक द्वारा मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मॉनिटरिंग कमेटी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एमसीएमसी में लगे हुए कर्मचारियों को निर्देश दिये कि अपने निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर एमसीएमसी से संबंधित कार्यों का सम्पादन करते रहें। अन्त में मा0 व्यय प्रेक्षक द्वारा नेहरू हाल में स्थापित किये गये लेखा टीम के सदस्यों से वार्ता की गयी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। मा0 प्रेक्षक द्वारा लोक सभा उप निर्वाचन 2022 के अन्तर्गत समस्त प्रत्याशियों के व्यय रजिस्टर की जांच करने की तिथि का निर्धारण किया गया। जिसमें व्यय रजिस्टर का निरीक्षण क्रमशः 11 जून, 17 जून एवं 21 जून को निर्धारित तिथियों पर किया जायेगा। मा0 व्यय प्रेक्षक द्वारा यह भी बताया गया कि यदि किसी भी आम जनता को व्यय अनुवीक्षण से संबंधित कोई शिकायती करनी हो तो वे सर्किट हाउस के कमरा नं0 5 वीवीआईपी में प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक व्यक्तिगत रूप से मिलकर शिकायत कर सकते हैं।

मतदाता जागरूकता का किया गया आयोजन

आजमगढ़। 69-आजमगढ़ लोक सभा उप निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप कार्यक्रम) के अन्तर्गत आज श्री अग्रसेन कन्या इंटर कालेज आजमगढ़, प्रतिभा निकेतन इंटर कालेज आजमगढ़ एवं सेन्ट जेवियर्स स्कूल समेदा में मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री अग्रसेन कन्या इंटर कालेज आजमगढ़, प्रतिभा निकेतन इंटर कालेज आजमगढ़ एवं सेन्ट जेवियर्स स्कूल समेदा की छात्राओं द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन कर मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया।

मारपीट करने वाले 3 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, भेजे गए जेल

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। शशिकान्त राव पुत्र चन्दिका प्रसाद ग्राम धरनीपुर विसया थाना गम्भीरपुर जनपद आजमगढ़ प्रार्थनापत्र दिये थे की 04.06.2022 को रात्रि लगभग 8.15 बजे रात मेंरा छोटा भाई रमाकांत मोटर साइकिल से सामान लेकर आ रहा था कि रास्ते में घर के पास मेरे गाँव का ही सोनू यादव पुत्र मुख्खू यादव अपने दो साथियो के साथ रास्ते में खडा था कि गाडी की लाइट चेहरे पर जाने के कारण उक्त सभी लोग मेरे भाई रमाकान्त को हाकी वा डन्डे से गाली गुप्ता देते हुए मारने पीटने लागे तब मेरे भाई ने सोर मचाया तो मेरे पिता जी चन्द्रिका प्रसाद दौडकर मौके पर पहुचे तो वो लोग मेरे पिता को भी हाकी डंडे से गाली गुप्ता देते हुए तथा जाति सुचक शब्द कहते हुए मारने पिटने लगे जिससे मेरे पिता जी के सर में गम्भीर चोटे आयी है जिसके सम्बन्ध मे थाना में मुकदमा पंजीकृत था जिस क्रम मे मंगलवार की सुबह लगभग 8:15 पर थानाध्यक्ष मय हमराह क्षेत्र भ्रमण पर थे कि मुखविर से सूचना मिली कि अभियोग उपरोक्त के वांछित अभियुक्तगण इस समय कस्बा गंभीरपुर मे मौजूद है जो कही भागने की फिराक मे है यदि जल्दी किया जाय तो पकड़ा जा सकता है इस सूचना पर तत्काल कस्बा गंभीरपुर पहुँच कर अभियोग उपरोक्त के वांछित अभियुक्तगण सोनू यादव पुत्र मुख्खू यादव निवासी ग्राम धरनीपुर विषया, सचिन गौड़ पुत्र सूरज उर्फ खुसडू गौड़ निवासी गम्भीरपुर, संजीव यादव पुत्र चन्द्रजीत यादव निवासी गंभीरपुर मठिया को गिरफ्तार कर जेल भेज गया दिया।

तमंचा कारतूस बरामद, एक गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर। पुलिस अधीक्षक चंदौली अंकुर अग्रवाल के निदेर्शानुसार जनपद में वांछित अभियुक्त/वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सदर चिरंजवी मुखर्जी,क्षेत्राधिकारी सदर रामवीर सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कन्दवा हरिशचंद सरोज व उनकी टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर ककरैत नहर पुलिया पर चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया पकड़ा गया अभियुक्त अजीत कुमार बताया जाता है जिसके पास से पुलिस ने एक तमंचा व एक कारतूस बरामद कियामजिस पर पुलिस संबंधित धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

मार्शल आर्ट सीख रही बेटियाँ मनचले लड़को को देंगी मुहतोड़ जबाब

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम नागेपुर में बेटियां आत्मरक्षा के गुर सीख रही हैं। आशा ट्रस्ट व लोक समिति द्वारा आयोजित समर कैम्प में लड़कियों को तीन सप्ताह से मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग में विशेष तौर पर आवारा मनचलों लड़कों और अपराधियों से सुरक्षा के नए नए टिप्स और सावधान रहने के साथ सतर्क रहकर चुप्पी तोड़ने के लिए जागरूक किया जा रहा है। शिविर में नागेपुर और आसपास के गावों की 40 किशोरियां मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ले रही हैं। इसमें किशोरियों को बताया जा रहा है कि आम तौर पर सड़क पर चलते समय, बस या ट्रेन में सफर के दौरान अकेली लड़की को देख मनचले छींटाकशी करते हैं। ऐसी स्थिति में मनचलों को कैसे सबक सिखाये जा सकते हैं।

मार्शल आर्ट सीखने के साथ किशोरियों का मानसिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है। परिवार में होनेवाली यौन हिंसा से निबटने के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। लोक समिति के संयोजक नन्दलाल मास्टर ने बताया की प्रशिक्षण शिविर में लड़कियों को आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट के अलावा कम्प्यूटर चलाना, इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स,ब्यूटीशियन, संगीत,डान्स आदि भी सिखाया जा रहा है। समर कैम्प के बाद नागेपुर और आसपास के गाँवो की लड़कियो को जोड़कर एक सचल दस्ता की टीम बनाकर लडकियों और माहिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकेंगे.शिविर में प्रशिक्षक ब्लैक बेल्ट धारी परमतोष विश्वकर्मा, अजय कुमार व आकांक्षा पटेल किशोरियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। प्रशिक्षण 10 जून को समाप्त होगा।

सर्वाधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाये जाएंगे अपराध मुक्त सुरक्षित वातावरण का सृजन होगा -एडीजी

प्रखर गोरखपुर। अपराध नियंत्रण में सीसीटीवी कैमरे के महत्व को देखते हुए ज्यादा- से -ज्यादा क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने के संबंध में "ऑपरेशन त्रिनेत्र" के नाम से एक अभियान अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन अखिल कुमार ने आज से प्रारंभ किया गया है। इस संबंध में गोरखपुर परिक्षेत्र के जनपदों से शुरूआत करते हुए अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा परिक्षेत्र के समस्त क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ ऑनलाइन मीटिंग की गई और अपराध नियंत्रण में सीसीटीवी कैमरे के महत्व को रेखांकित करते हुए यह निर्देशित किया गया कि इस अभियान में जनता के ज्यादा से ज्यादा लोगों को जुड़ने हेतु प्रोत्साहित करें। पूर्व में हुए कई अपराधों के अनावरण में सीसीटीवी कैमरे की भूमिका को उल्लिखित करते हुए अपर पुलिस महानिदेशक ने समस्त प्रतिभागियों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, व्यवसायियों, अस्पताल संचालकों, पेट्रोल पंप मालिकों एवं जनता के अन्य सभी संभ्रांत लोगों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। उदाहरण के तौर पर बताया गया कि गोरखपुर के लाइफ डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु जनपद गोरखपुर के बेतियाहाता चौराहे को गोद लिया गया है। इसी प्रकार जनता के ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाए कि वे विभिन्न स्थानों को गोद लें और सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। इससे जनता में पुलिस के प्रति जुड़ने की भावना विकसित होगी साथ ही अपराध नियंत्रण में भी मदद मिल सकेगी। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अपर पुलिस महानिदेशक ने निर्देशित किया कि सभी बीट पुलिस अधिकारी अपने -अपने क्षेत्र के संभ्रांत लोगों से इस संबंध में संपर्क करें और उन्हें सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु प्रोत्साहित करें। इस कार्य को योजनाबद्ध तरीके से संपन्न किए जाने हेतु तथा अच्छी क्वालिटी के कैमरे लगवाने हेतु प्रेरित करने के लिए निर्देशित किया गया ताकि अपराध नियंत्रण के कार्य में बेहतर मदद मिल सके। अपर पुलिस महानिदेशक ने यह उम्मीद व्यक्त किया कि आज से प्रारंभ हो रहे इस "ऑपरेशन त्रिनेत्र" के बेहतर परिणाम आएंगे और गोरखपुर प्रदेश का वह पहला परिक्षेत्र होगा जहां सर्वाधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाये जाएंगे और पहले से ज्यादा अपराध मुक्त और सुरक्षित वातावरण का सृजन होगा। सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की इस अभियान में विशेष भूमिका होगी और संबंधित पुलिस अधीक्षक द्वारा इस अभियान का पर्यवेक्षण किया जाएगा।

अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। थाना लालगंज पुलिस द्वारा अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । दिनांक 28.03.2022 को थाना हिलया निवासिनी वादिनी/पीडिता द्वारा थाना हलिया पर नामजद अभियुक्त के विरूद्ध अश्लील वीडियो व फोटो भेजने व वायरल करने व मडहा मे आग लगाने के सम्बन्ध में अभियोग पंजीकृत कराया गया । आज दिनांक 07.06.2022 को थाना हलिया पर पंजीकृत उक्त अभियोग से सम्बन्धित विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए प्रभारी निरीक्षक राम नरायण राम थाना लालगंज मय हमराह हे0कां0 विनय सिंह, कां0 दीपक कुमार द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर अभियुक्त प्रदीप कुमार निवासी थाना चुनार मीरजापुर को बस्तरा मोड़ चौराहा बाईपास से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

जल निगम का पानी टंकी बना हाथी के दांत, पानी बंद करके सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं जिम्मेदार लोग

प्रखर गोरखपुर। जनपद गोरखपुर के पर सीमांचल क्षेत्र में सहजनवा तहसील के अंतर्गत घाघसरा बाजार में जल निगम के द्वारा बना पानी टंकी हाथी का दांत साबित हो रहा है सरकार के द्वारा चलाई गई जल जीवन मिशन के तहत बनने वाला है पानी का टंकी लोगों के सुख और सुविधाओं के लिए बनाया गया था जिससे दूरदराज ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ पेयजल सभी ग्रामीणों को मिले ऐसी सरकार की मंशा थी। इसी योजना के तहत घघसर बाजार में पानी की टंकी का निर्माण हुआ, लेकिन उससे स्वच्छ जल का वितरण आपूर्ति नहीं हो रहा है जिस से घघसरा बाजार के स्थानीय नागरिकों के अंदर काफी रोष देखने को मिल रहा है । ग्रामीण पाइप पेयजल योजना के अंतर्गत पानी पीने की व्यवस्था की गई है लेकिन यहां पानी कब आता है किसी को पता नहीं । कभी कभार सप्ताह में एक दो दिन एकाध घंटे के लिए आ जाता है फिर बंद हो जाता है , माननीय मुख्यमंत्री जी

द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह क्षेत्र में भ्रमण कर पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था देखते रहें । लेकिन शायद उक्त आदेश घघसरा के लिए न हो इसलिए किसी अधिकारी का ध्यान घघसरा बाजार पेयजल आपूर्ति के तरफ नहीं और घघसरा बाजार पूरी व्यवस्था होते हुए भी इस भीषण गर्मी में पेयजलबिहीन है। स्थानीय समाजसेवी राम जनक मौर्य इस जल संकट से जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित कराने के लिए आवाज उठाई है। उनका कहना है कि कृपया जिम्मेदार लोग इस पर ध्यान दें और इसका निदान करे।

आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के नेतृत्व में आज स्व0 मोहन लाल भरतिया उपवन में हुआ वृक्षारोपण

प्रखर गोरखपुर। गिडा औद्योगिक क्षेत्र के आईजीएल कंपनी के बिजनेस हेड एस के शुक्ल ने ग्लोबली पर्यावरण और वनों के तेजी से हो रहे कटान के कारण बढ़ रहे वायु प्रदूषण को रोकने हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का सभी आमजनमानस से आहवान किया, और बताया कि आईजीएल प्रत्येक वर्ष बड़े पैमाने पर गीडा में न सिर्फ पौधे लगाने का काम करती है बल्कि उसे सहेज कर उसकी सुरक्षा भी करती है।पिछले वर्षों से निरन्तर किये जा रहे प्रयासों का परिणाम है कि आज परिसर के अलावा आइंजीएल द्वारा लगवाए गए तकरीबन 27 हजार पौधे बड़े आकार में लहलहा रहे हैं जिनकी उपस्थिति ने गीडा की सेहत को आज कवच प्रदान कर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री जी के एजेण्डे को मजबूत धार प्रदान किया है।स्व0 मोहनलाल भरतिया लॉन में आज आम ,बरगद,निम ,गोल्डमोहर ,पीपल ,पाकड़, सहित सैकड़ों पौधे जहां तंदुरुस्ती के साथ खड़े हैं वहीं गीडा के क्षेत्रवासियों के लिए कड़ी धूप में छांव का सहारा बने हुए हैं। वृक्षारोपण के

दौरान उपजिलाधिकारी सहजनवां श्री सुरेश राय जी ने बिजनेस हेड एस के शुक्ल को महान कर्मयोगी की संज्ञा देते हुए जनकल्याणकारी कार्यों में उत्साह व सेवा भाव से किये जा रहे सहयोग की जमकर तारीफ की ,,श्री शुक्ल ने विनम्रता पूर्वक कहा कि परहित सरिस धरम नही भाई ,,परपीड़ा सम नही अधमाई ,,जनसेवा से बड़ा कोई धर्म नही होता।ये आईजीएल का सौभाग्य है कि ईश्वर की महान अनुकम्पा से जनसेवा का अवसर मिला है।सीईओ रूपर्क सर ने कहा कि एक एक पौधा जन जन के लिए जहां संजीवनी होगा वहीं आईजीएल के संस्थापक मोहनलाल भरतिया जी के सपनो को जीवंत रखेगा।कम्पनी के प्रबन्धक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा के शानदार प्रयासों ने समारोह को खास बना दिया। कल बिजनेस हेड ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा आईजीजीएल के ग्रेन प्लांट के उद्घघाटन होने की खुशी में आईजीजीएल के कर्मचारियों को गोरखपुर के मशहूर होटल में डिनर पार्टी दिया और सभी के योगदान हेतु आज उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। आज के वृक्षारोपण में विशिष्ट अतिथि उप जिलाअधिकारी श्री सुरेश राय जी ने आईजीजीएल को पूर्वांचल की लाइफलाइन बताया और वृक्षारोपण भी किया, और यह कार्यक्रम आईजीएल के सीईओ श्री रूपर्क सारस्वत जी के शानदार नेतृत्व व मार्गदर्शन तथा व्यापार प्रमुख एवं अध्यक्ष यूपीडिये श्री एस के शुक्ल की अध्यक्षता में आज मोहन लाल भरतिया पार्क में आयोजित किया गया था,और इस आयोजन में दस औषधीय गुणों वाले पौधे रोपित किये गए। वृक्षारोपण का दायित्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आत्मा नन्द सिह कार्यान्वित किया। उक्त अवसर पर आइंजीएल के प्लांट मैनेजर श्री आनंद प्रकाश मिश्रा जी,मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीनिवास दुसि ,प्रोजेक्ट हेड वीपी सिंघल,टीपी शर्मा,वित्त के हेड मनीष पंत ,विष्णु पांडेय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

किशोरी से दुष्कर्म कर बनाया वीडियो, ब्लैकमेल करने का आरोप, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रखर दीदारगंज आजमगढ़। दीदारगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक ने कुछ दिन पूर्व खेत गई एक दलित किशोरी के साथ दुष्कर्म किया, और घटना का वीडियो बनाया । इसके बाद वीडियो से पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहा था। शुक्रवार को पीड़िता रात्रि में शौच के लिए बाहर जा रही कि युवक द्वारा दुष्कर्म का प्रयास किया गया, किशोरी द्वारा मना करने पर युवक ने वीडियो वायरल करने की धमकी दिया तथा परिवार के लोगों को मारने की भी

धमकी दिया । पीड़िता की तहरीर पर दीदारगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया, तथा आरोपी की तलाश में जुटी थी कि मंगलवार को थानाध्यक्ष दीदारगंज कौशल कुमार पाठक अपने हमराह पुलिस बल के साथ दुष्कर्म के संबंधित वांछित अभियुक्त को नौहरा से गिरफ्तार कर लिया, तथा गिरफ्तार अभियुक्त का चालान माननीय न्यायालय किया गया।

संक्षिप्त खबरें

लहुराबीर व्यावसायिक नवगठित प्रबंध समिति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लहुराबीर व्यावसायिक नवगठित प्रबंध समिति का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन लहुराबीर स्थित आईएमए सभागार में किया गया।इस दौरान रजनीश कन्नौजिया को अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ,संचार मंत्री ,रजत मिश्रा महामंत्री एवं संजय चौबे को उपाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि आर के चौधरी ने कहा कि खुदरा एवं मध्यम वर्गीय व्यापारी ही देश की अर्थवावस्था की रीढ की हड्डी है। इस मौके पर विशिष्ट अथिति नारायण खेमका और महानगर उद्योग समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा ने व्यापारियों को सहयोग का भरोसा दिलाया।वही नवनिर्वचित अध्यक्ष रजनीश कन्नौजिया कहा कि देश में नौकरियों का अभाव है ऐसे में सरकार को युवा उद्यमी और व्यापारियों को प्रोत्साहित करते हुए उनको विशेष वरीयता देनी चाहिए।

ड्यूटी पर जा रहे होमगार्ड की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के खालिसपुर रेलवे स्टेशन के समीप ड्यूटी पर जा रहे होमगार्ड की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया। घटना सुबह 10 बजे की बताई जाती है। बताते हैं कि वकील साहब यादव निवासी चेहरा (फूलपुर) की जवाहर नवोदय विद्यालय गजोखर में ड्यूटी लगी थी। सुबह घर से साइकिल से ड्यूटी पर जा रहा था। तभी वह एक ट्रेन अप लाइन से क्रॉस होने पर वह लाइन पार करने लगा तभी डाउन लाइन पर पैसेंजर ट्रेन आ गई और उसी की चपेट में आ गया और ट्रेन का झटका लगने से शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर परिजन और जीआरपी पुलिस भी दोपहर में पहुच गई और अपराह्न 2 बजे शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु भेज दिया। 45 वर्षीय मृत होमगार्ड के तीन लड़के है। वही होमगाड्र्स के मरने की सूचना पर कई अन्य होमगार्ड भी मौके पर पहुचे और शोक जताया। वही रो रो कर परिजनों का बुरा हाल था। वही घटना के सही कारणों का पता नही चल पाया। ग्रामीणों के मुताबिक वह मानसिक रूप से कमजोर भी था। जीआरपी ने मृतक के पुत्र शिवम की तहरीर पर शव को कब्जे में ले लिया।

ट्रक से बैटरी हुई चोरी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के कुआर बाजार में बीती रात चोरों ने पूर्व ग्राम प्रधान के ट्रक की बैटरी चोरो ने उड़ा दी। घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस को दिए तहरीर में पूर्व ग्राम प्रधान संजय गुप्ता ने बताया कि उनके घर से कुछ दूरी पर माँ काली मंदिर के पास ट्रक खड़ी की थी रात्रि में चोर उसमे बैटरी चुरा ले गए। इसके पूर्व एक हफ्ते पूर्व भरत गुप्ता के मालवाहक ऑटो की बैटरी भी उसी स्थान से चोरी हो गई थी।

उमरिया पशु आश्रय स्थल पर गोवंशों को गर्मी और लू से बचाव के लिए लगाया गया तीरपाल

प्रखर मिजार्पुर। हलिया विकास खंड के उमरिया पशु आश्रय स्थल पर गोवंशों को लू और गर्मी से बचाव के लिए पशु चिकित्साधिकारी हलिया कमलेश कुमार की देखरेख में मंगलवार को ग्राम प्रधान द्वारा पशु आश्रय स्थल पर तिरपाल लगवाया गया। बीते दिनों गर्मी और लू की चपेट में आने से एक सप्ताह के भीतर पशु आश्रय स्थल के पांच गोवंश बीमार होकर दम तोड़ दिए थे। मंगलवार को पशु चिकित्साधिकारी डा॰ कमलेश कुमार ने पशुपालन विभाग की टीम को लेकर आश्रय स्थल पर मौजूद गोवंशों के स्वास्थ्य की जांच किया और बीमार चल रहे एक गोवंश का उपचार किया।पशु चिकित्साधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि गौशाला में गोवंशों को लू से बचाव के लिए ग्राम प्रधान की ओर से तीरपाल लगवाया गया है। गौशाला में मौजूद गोवंशों के स्वास्थ्य जांच की गई है बीमार चल रहे एक गोवंश का उपचार किया गया है।गोवंशों के समुचित ढंग से देखभाल करने के लिए गोसेवकों को निर्देशित किया गया है।

बाल श्रम बाल विवाह कानूनी अपराध है शिक्षा पाना इनका मौलिक अधिकार

प्रखर मिजार्पुर। एक्शन एड यूनिसेफ के द्वारा संचालित नई पहल शिक्षा परियोजना और चाइल्ड प्रोटेक्शन के तहत ब्लाक राजगढ़ के ग्राम पंचायत खुटहा के पंचायत भवन पर बैठक आयोजित की गई जिसमें एक्शन एड नई पहल शिक्षा परियोजना के जिला समन्वयक रतन कुमार मिश्रा ने शिक्षा से वंचित, आउट आफ स्कूल,मौसमी पलायन, घुमंतु परिवार के 6 से 14 आयु वर्ग के बच्चों से बाल श्रम कराना कानूनन अपराध है इसमें सजा तथा जुमार्ना दोनों का प्रावधान है तथा ऐसे बच्चे को बाल श्रम ना करने की अपील की और बताया कि 6 से 14 साल तक के प्रत्येक बच्चे का शिक्षा पाना मौलिक अधिकार है तथा ऐसे बच्चे के परिवार को सामाजिक सुरक्षा काम मांगो अभियान के तहत सभी जरूरतमंद परिवार को पंचायत के सहयोग से श्रम कार्ड, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, कन्या सुमंगला योजना, मनरेगा जॉब कार्ड बनवाने के लिए जानकारी दिया गया उसके बाद ब्लॉक समन्वयक राघवेंद्र कुमार जी के द्वारा बताया गया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में बाल संरक्षण समिति का गठन होना सुनिश्चित है इसकी गठन प्रक्रिया जिम्मेदारी भूमिका साथ ही साथ बाल विवाह बाल मजदूरी के लिए पर रोकथाम के विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया बैठक में ग्राम प्रधानः इम्तियाज अहमद , आंगनवाड़ीः निखिलेश कुमारी, मिनी आंगनवाड़ीः मुन्नी देवी, ग्राम पंचायत सहायिकाः जमीला बेगम अभिभावक कथा किशोरी मौजूद रही।

वाराणसी में आवारा पशुओं पर काम करने वाली पशु प्रेमियों ने उठायी आवाज, आवारा कुत्तों के लिए स्वांग केंद्र बनाना पूरी तरह से गलत है

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आवारा गोवंश के गौशाला के तर्ज पर अब यूपी में आवारा कुत्तों के लिए केंद्र बनाने की बात हाल में ही यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है योगी के इस बयान के बाद अब पशु प्रेमियों ने इसके खिलाफ आवाज उठाना शुरू कर दिया है` वाराणसी में आवारा पशुओं पर काम करने वाली पशु प्रेमियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसको लेकर आवाज उठाई है पशु प्रेमी स्वाति बलानी, मल्लिका बनर्जी, रितु सूद,आभा सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सूर में कहा कि आवारा कुत्तों के लिए स्वांग केंद्र बनाना पूरी तरह से गलत है बताते चले कि इसके पहले भी इस तरह की पहल गुजरात के सूरत,राजस्थान के जोधपुर में हो चुकी है लेकिन ये व्यवस्था पूरी तरह फेल रही` पशु प्रेमी स्वाति बलानी ने बताया कि कुत्तों के साथ इंसानों का पुराना सम्बन्ध है खास कर काशी में कुत्तों को यहां के कोतवाल काल भैरव की सवारी है ऐसे में सड़कों से कुत्तों को हटाए जाना पूरी तरह से गलत है मल्लिका बनर्जी ने बताया कि वाराणसी के गौशाला केंद्रों में अभी गोवंश को ठीक तरीके से देखभाल भी नहीं हो पा रही है ऐसे में कुत्तों के लिए अलग केंद्र बनाकर सरकार उनकी देखरेख कैसे कर पाएगी और गायों की तरह ज्यादा संख्या में कुत्ते एक साथ भी नहीं रह सकते ऐसे में हमारी मांग है कि सरकार को इन आवारा कुत्तों के टीकाकरण के बाद सड़कों पर ही छोड़ देना चाहिए।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिजार्पुर "रामकृष्ण भारद्वाज "द्वारा परिक्षेत्र के तीनों जनपदों के सोशल मीडिया में नियुक्त अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई' पुलिस द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न पोर्टलो जैसे ट्विटर, कू आदि मैसेजिंग एप पर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया' कि सोशल मीडिया के ट्विटर, कू मैसेजिंग एप सतत मानिटरिंग करते हुए, प्राप्त होने वाली शिकायती ट्वीट का त्वरित संज्ञान में लेते हुए रिप्लाई /खंडन किया जाय' सोशल मीडिया पर प्रसारित (वायरल) होने वाली खबरों गतिविधियों पर सतर्क दृस्टि रखी जाए और कोई प्रतिकूल तथ्य पाए जाने पर तत्परता से कार्यवाही की जाए' वर्तमान में सोशल मीडिया का इस्तेमाल बहुत अधिक बढ़ गया है। अधूरी जानकारी और बिना तथ्यों के साथ कुछ लोग निजी स्वार्थ के लिए गलत खबरें और सूचना प्रसारित करते हैं। इससे कानून व्यवस्था में बाधा उत्पन्न होती हैं। ऐसे लोग सुनियोजित तरीके से विभिन्न वर्गों, समुदायों के बीच वैमनस्यता पैदा करने की कोशिश करते हैं। अब ऐसे लोग पुलिस की नजर से नहीं बच पाएंगे। इस प्रकार के शरारती तत्वों के विरुद्ध शख्त कार्यवाही की जाएगी ' बैठक के दौरान परिक्षेत्र के तीनों जनपदों के सोशल मीडिया सेल के अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

अनियन्त्रित हुए बाइक सवार, पेड़ में टकराये हालत गम्भीर

प्रखर गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र छताई के पास मुख्य रोड़ पर बाइक सवार ओभर टेक कर रहे वाहन से बचने के चक्कर मे अनियन्त्रित होकर सड़क किनारे पेंड में टकरा गए । जिससे बाइक सवारों को गम्भीर चोट आ गयी । लम्बे समय से मैंन रॉड के किनारे तडप रहे घयलो को देख मीडिया स्थानीय पुलिस को सूचित कर इलाज को भेज गया दिया। घायल पिपराईच थाना क्षेत्र जंगलधुषण के बताए जा रहे है ।खजनी के आस पास किसी रिस्तेदार के घर जा रहे थे ।

तमंचा के साथ पशु तश्कर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुहम्मदाबाद थाना पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम के अन्तर्गत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच गाय, दो बछड़ा, एक तमंचा 12 बोर मय जिंदा कारतूस व दो वाहन बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में जनपद में हो रहे अपराध को रोकने हेतु अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान, सोमवार को, हाटा रेलवे क्रासिंग के पास से अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बरामदगी की। गिरफ्तार अभियुक्तों में आशोक प्रसाद चौरसिया पुत्र कन्हैया चौरसिया निवासी फजलगंज उर्फ पठनपुरा थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर, बदामा सिंह यादव पुत्र स्व. गंगा सिंह यादव निवासी रुकुमुनदीनपुर थाना नोनहरा

गाजीपुर तथा सत्यप्रकाश कुशवाहा पुत्र शिवमुनी सिंह कुशवाहा निवासी कमलापुर लोधी थाना नोनहरा गाजीपर रहे। अभियुक्त सत्यप्रकाश कुशवाहा के पास से एक तमंचा 12 बोर मय जिंदा कारतूस बरामद हुआ।अभियुक्तों से बरामद वाहन में वाहन संख्या यूपी 61एपी2973 अपाचे व वाहन संख्या यूपी 60टी 5359 रहा। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कारवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को न्यायालय के सुपुर्द कर दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक द्वय कृष्ण प्रताप सिंह व सन्तोष कुमार यादव थाना मुहम्मदाबाद व आरक्षीगण दिलीप कुमार, मनीष कन्नौजिया व चन्दन पासवान थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

सोते हुए युवक को चाकू मारकर उतारा मौत के घाट

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गहमर थाना अंतर्गत गहमर गांव के नरवा घाट के बिंद बस्ती में रात सोते समय सोमवार की रात एक युवक की चाकू मारकर गंभीर रुप से घायल कर दिया। युवक को तुरंत सीएससी भदौरा ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के पिता ने पड़ोस के ही दो युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर गहमर थाने में दी है। जानकारी के अनुसार गहमर गांव के नरवा घाट स्थित बिंद बस्ती निवासी विक्की (20) पुत्र लाल बहादुर बिंद बीती रात अपने पड़ोस में अपने दोस्त के साथ एक वैवाहिक कार्यक्रम में शरीक होकर अपने घर आ गया। विक्की और उसका साथी अशोक बिंद के घर के बाहर चारपाई लगाकर सो गए

कि देर रात दोनों से अदावत रख रहे युवको ने विक्की के गर्दन एवं पेट पर ताबड़तोड़ प्रहार कर लहूलुहान कर दिया। इस घटना में साथ में सो रहे अशोक की नींद खुल गई और वह शोर मचाने लगा, जिससे वे दोनों आरोपी फरार हो गए। इस घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को भदौरा सीएससी भेजवाया जहा चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी विधिभूषण मौर्य ने बताया कि मृतक के पिता द्वारा दी गई तहरीर पर दो लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करते हुए कानूनी कार्यवाही की जा रही है। आरोपियों की धरपकड़ हेतु हर संभावित जगहों पर दबिश दी जा रही है और मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस बल तैनात है।

खनन माफियाओं का हौसला है बुलंद, नही रुक रहा है अबैध खनन

प्रखर गोरखपुर। खजनी थाना के हल्का नंबर 4 में खनन जोरो पर फल फूल रहा है हल्का नंबर 4 के हल्का इंचार्ज व सिपाही खनन माफियाओं के चंगुल में है देर रात 10 बजे से सुरु हो कर 5 बजे भोर तक खनन माफिया अबैध खनन को बेरोक टोक संचालित कर रहे है।आम लोगो का सोना दूभर हो गया है वही बच्चो के पठन-पाठन पर काफी असर पड रहा है।अबैध खनन खनन माफिया अपने टैक्टर फूल वैलुम में अश्लील गाना भी बजाने से बाज नही आ रहे है।अगर यह बंद नही हुआ तो स्थानीय लोगो का कहना है कि यही इसपर रोक नही लगा तो इसकी शिकायत मुख्यमंत्री

खजनी थाना के हल्का नंबर 4 का मामला

दरबार तक करेंगे। उपजिलाधिकारी खजनी पवन कुमार ने बताया अबैध खनन नही होने दिया जायेगा,करते समय अगर पकडा गया तो वाहनों को सीज कराते हुऐ कार्यवाही की जायेगी,।

शेर है यह शेर बिल्ली नहीं है उत्तर प्रदेश है यह दिल्ली नही

प्रखर दानगंज वाराणसी। न कोई के डर मा ना कोई के दबाव मा,चले है दीवान जी ड्यूटी चुनाव मा, कविता से करोड़ों दिलों में जगह बनाने वाले पुलिस इंस्पेक्टर धर्मराज उपाध्याय कवि शायर ने अब कानपुर के उपद्रवियों को अपनी कविता से आईना दिखाया है। प्रदेश की सुदृढ़ कानून व्यवस्था कविता के जरिए वह कुछ यूं बया करते हैं।- पकड़ पकड़ कर हवालात में ठेले जाएंगे, दंगा करने वाले बल भर रेले जाएंगे, इसके बाद लिखा -शेर है यह शेर बिल्ली नहीं है, शेर है यह शेर बिल्ली नहीं है, उत्तर प्रदेश है यह दिल्ली नही है, उत्तर प्रदेश है यह दिल्ली नहीं है, गुंडे और गुंडों के सभी झमेले जाएंगे, दंगा करने वाले बल भर रेले जाएंगे जाएंगे, बुरा किया तो अच्छा अब अंजाम नहीं मिलने वाला, जो बबूल बोये हो, तो तुमको आम नहीं मिलने वाला,खेल जो तुमने खेला वही खेले जाएंगे,दंगा करने वाले बल भर ले जाएंगे, दंगा करने वाले बल भर रेले जाएंगे।

गरीबों की रोजी रोटी पर चला गिडा प्रशासन का बुलडोजर

प्रखर गोरखपुर। गिडा सेक्टर 15 में जिला प्रशासन का बुलडोजर देख पटरी व्यवसायियों और फुटपाथ पर रहने वालों मैं चीख-पुकार और भगदड़ जैसा माहौल हो गया। साहब मेरे दुकान को मत छोड़िए इसी से हमारी रोजी-रोटी चलती है हम लोग कहां जाएंगे कैसे हमारा परिवार चलेगा लेकिन जिला प्रशासन ने एक न सुनी और पटरी व्यवसायियों के बने झोपड़ी और दुकानों पर बुलडोजर चलना शुरू हो गया। सरकारी आदेश का पालन करते हुए गीडा अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्य में मशगूल रहे। आपको बताते चलें कि पूरा मामला गिडा थाना अंतर्गत गिडा औद्योगिक क्षेत्र सेक्टर 15 का है जहां पर विगत कई वर्षों से रोजी रोटी के नाम पर छोटी-छोटी दुकानें खोलकर लोग अपने पेट पालने और परिवार चलाने का काम कर रहे थे। जीरो पॉइंट से लेकर दाना पानी होटल तक नेशनल हाईवे 28 के किनारे हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए गिडा प्रशासन गीडा थाने की मय फोर्स के साथ अतिक्रमण हटाने के कार्य को अंजाम दिया गया। इस अतिक्रमण हटाने के दरमियान गिडा थाने के पूरी पुलिस फोर्स

लगी हुई थी गिडा सेक्टर 15 में पुलिस की उपस्थिति से ऐसा लग रहा था जैसे यह क्षेत्र छावनी में तब्दील हो चुका है वही कीड़ा प्रशासन से जब बात हुई तो उन्होंने बताया कि उन्हें बार-बार नोटिस देने के बाद भी जगह को खाली नहीं कर रहे थे इसलिए सरकारी आदेश का पालन करते हुए इस अतिक्रमण को हटाने का कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने भी बताया कि इस अतिक्रमण से हाईवे पर अक्सर जाम का माहौल बना रहता है जिससे यातायात बाधित होता है इस अतिक्रमण हटाने के काम में तहसीलदार बृजमोहन शुक्ला, एमके जैसवाल प्रभारी अवैध निर्माण, सुरेश यादव प्रबंधक विद्युत विभाग, बृजेश अग्रहरी, विवेक वर्मा, रामकुमार सहायक प्रबंधक आदि अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी गोरखपुर के द्वारा होगी गांवों के विकास कार्यों की जांच

प्रखर गोरखपुर ।डीएम विजय किरण आनंद अब गांवों में हुए विकास कार्यों की जांच कराएंगे। अधिकारी यह जांचेंगे कि कितना विकास हुआ, कौन सा काम अधूरा है और तमाम सरकारी योजनाओं की

13 से 27 जून तक चलने वाले अभियान में अधिकारी पहुंचेंगे गांवों में, रोस्टर हुआ तैयार डीएम विजय किरण आनंद अब गांवों में हुए विकास कार्यों की जांच कराएंगे

क्या स्थिति है। इसके लिए 13 से 27 जून 2022 तक अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत हर दिन अलग अलग गांवों में जाने वाले अधिकारियों का नाम तय किया गया है। अधिकारी सुबह 8 बजे गांव में पहुंचेंगे और भ्रमण कर एक एक विकास कार्य का भौतिक सत्यापान करेंगे

इन बिंदुओं पर होगा

सत्यापन- अधिकारी गांव में ट्रांजेक्ट वाक कर ग्राम पंचायत की ओर से कराए गए कार्यों और सृजित परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन करेंगे। रैंडम आधार पर घर घर दस्तक अभियान के लाभार्थियों से योजना के बारे में बातचीत करेंगे। अधिकारी गांव में ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारी के उपस्थित पंजिका की जांच करेंगे।

कायाकल्प योजना के तहत गांव के स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों के कायाकल्प की जांच करेंगे। ग्राम पंचायत भवत और सचिवालय भवन के निर्माण और क्रियाशीलता की जांच की जाएगी।

इसके साथ ही राशन आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं के हालत की भी अधिकारी जांच करेंगे। वहीं गांव में चल रहे स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण,प्रधानमंत्री आवास योजना,स्वच्छ पेयजल, सीसी रोड और नाली निर्माण,सभी प्रकार के पेंशन की व्यवस्था,मनरेगा सहित तमाम योजनाओं का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इस दौरान गांव के प्रधान, संबंधित कर्मचारी, विकास खंड के कर्मचारी और अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

घर पहुंचने पर अवनीश का हुआ भव्य स्वागत

प्रखर चंदवक, जौनपुर। क्षेत्र के रामदेवपुर (गोनौली)गांव निवासी सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले अवनीश यादव के घर पहुचने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया।सिविल सेवा परीक्षा में सफलता मिलने के बाद वह मंगलवार सुबह दिल्ली से सुहेलदेव एक्सप्रेस ट्रेन से डोभी स्टेशन पर उतरा ग्रामीणों, शुभचिंतकों ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया।अवनीश को परीक्षा में 546 वीं रैंक मिला है।घर पहुचने पर उसने भगवान शिव व

मातादेवी की पूजा अर्चना की।इस अवसर पर प्रधान अमरजीत यादव,पूर्व प्रधान श्री प्रकाश यादव गुड्डू,शिवपूजन यादव, महेंद्र प्रजापति दीना प्रजापति,सुबाष यादव, सोनू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मछली पालन किये गये तालाब में खातेदारों ने डाला जहर हजारों की संख्या में मरी मछलियां

प्रखर दानगंज वाराणसी। छेदी पाल निवासी मुड़ादेव रोहनिया निवासी ने मीडिया के सामने सुनाई अपनी आपबीती बताया की अपने निजि तालाब में मछली पाल किये हुए है हमारे तालाब पर अनिल शर्मा पुत्र स्वर्गीय देवनाथ सिंह ,रिशु सिंह पुत्र अनिल कुमार शर्मा पुत्र सौरभ सिंह पुत्र अजय कुमार सिंह और निकेत सिंह पुत्र अजय कुमार सिंह तथा विजय कुमार सिंह पुत्र रमेश प्रसाद सिंह निवासी गड़ सराय डंगरी (भगवतीपुर) टिकरी के निवासी देखे गये थे` बताया की मछली पालन को लेकर विवाद पहले से ही चल रहा है मछली पालन किये गये तालाब पर आए और तालाव में कुछ डाल रहे थे तभी मेरे घर की औरतो ने देखा कि तालाव में कुछ डाल रहे है जब उन्हे रोक गया तो गाली गलौज देते हुए चले गये।कुछ देर बाद हमारे घरवालों ने फोन करके बताया कि तालाव की सारी मछलियां तड़प रही है मरने की स्थिति में है जब मे तालाव पर आया तो देखा की काफी मछलियां मरकर ऊपर आ गयी है।छेदी पाल ने आरोप लगाते हुए बताया की इन्हीं लोगो ने तालाब मे जहरीला प्रदार्थ डाला जिससे मेरे तालाव की काफी मछलियां मर गयी है जिससे

लगभग दो लाख को नुकशान हो गया है।सूचना पर अखरी चौकी प्रभारी धीरेन्द्र तिवारी मौके पर तालाब का किया निरीक्षण जिसमें की देखा तालाब में सभी मछलियां मरी हुई पानी के ऊपर उतरायी हुई थी जिसके बाद चौकी प्रभारी द्वारा एफआईआर कराने के लिये छेदी पाल को रोहनिया थाना भेजा गया जहां पर रोहनिया थाने पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया।

संक्षिप्त खबरें

इजी हेल्प संस्था ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विगत वर्षो की भांति आज भी वृक्षारोपण का अयोजन किया

प्रखर वाराणसी। संस्था इजी हेल्प ने विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का अयोजन किया जिसमे बच्चों ने भी भाग लिया। वृक्षारोपण एक पुनीत कार्य हैं जिससे पर्यावरण को और हरित बनाया जा सकता हैं जिससे हमारे आस पास का वायुमंडल स्वच्छ हो जाता हैं। इजी हेल्प संस्था का उद्देश्य हैं की ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण किया जाय और हम सब एक स्वच्छ वातावरण में प्रकृति की अनुभूति कर सकें।

गैस सिलेंडर चोर रँगे हाथ गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सैदपुर के मार्गदर्शन में अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अन्तर्गत उ0नि0 रमाकान्त वर्मा मय हमराह सायं कालीन गश्त में भ्रमणशील थे कि जरिए मुखबिर खास सूचना मिली की आपके मुकदमे से सम्बन्धित फतेहपुर प्राइमरी स्कूल में चोरी किये गये सिलेण्डर को चोरी करने वाला व्यक्ति कही बेचने की फिराक में बहेरी काली माता मन्दिर के पास बैठकर किसी के आने का इन्तजार कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर वहां पंहुचने पर काली माता मंदिर बहेरी पर एक व्यक्ति बैठा दिखायी दिया, जिसके बगल में सिलेण्डर रखा हुआ था। मुखबिर द्वारा ईशारा करके बताया कि यही वह व्यक्ति है जो चोरी करके सिलेण्डर बेचने जा रहा है।उसे गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तार किये गये व्यक्ति ने अपना नाम पवन कुमार पुत्र लाल बहादुर नि0 कलवारी थाना-खानपुर जनपद-गाजीपुर बताया तथा भागने का कारण पूछने पर बताया कि मैने फतेहपुर प्राइमरी स्कूल से सिलेण्डर व गैस चूल्हा ताला तोड़कर चुराया था तथा चुल्हा अगले दिन फेरी करने वाले कबाड़ी को बेच दिया था आज नशे के लिए पैसा नही था तो यह सिलेण्डर मै औने-पौने दाम पर बेचने के लिए निकला था कि जो भी पैसा मिलेगा उससे मै अपने नशे की जरुरत पूरी करुँगा । पकड़े गए व्यक्ति के पास रखे सिलेण्डर को देखा गया तो आँधा लगभग भरा हुआ था । पकड़े गए व्यक्ति को उसके जुर्म से अवगत कराते हुए 457,380,411 धारा अन्तर्गत गिरफ्तार कर लिया गया।

आज के चुनौती पूर्ण दौर में भाषाओं को सीखना जरूरी

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। आज के चुनौती पूर्ण बदलते परिवेश में दुनिया से लड़ने हेतु भाषाओं को सीखना जरूरी हैं।हिंदी हमारी मातृभाषा हैं।जिसे हमें भूलना नही हैं, पर लड़ने के लिये अंग्रेजी को सीखना जरूरी हैं।अंग्रेजी हमे गुणवान नही बनाती बल्कि बात करने का माध्यम देती हैं।ग्रामीण क्षेत्र की किशोरियों के अंदर अनेक प्रतिभाएं छिपी, बस उन्हें जागृत करने की जरूरत हैं। उक्त बातें सोमवार को प्रधानमंत्री के सांसद आदर्श ग्राम नागेपुर स्थित लोक समिति आश्रम में आशा ट्रस्ट व लोक समिति द्वारा चलाये जा रहे समर कैंप के करियर कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली से पहुंचे माइक्रोसाप्ट रिलेशनशिप के मैनेजर श्याम सिंह ने किशोरियों के बीच व्यक्त की।कंप्यूटर शिक्षा के एक्सल व टैली की जानकारी देकर रोजगार के बेहतर टिप्स दिये।खेल से भी जीवन की ऊंचाइयों पर पहुंचने की जानकारी दी गयी।किशोरी छात्राओ को मेहनत के साथ राह में आने वाली कठिनाइयों को दूर कर लक्ष्य हासिल करने का पाठ पढ़ाया गया।इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में आत्मविश्वास, लक्ष्य निर्धारण, मार्गदर्शन, स्वयं की कमियों को पहचानने उन्हें दूर करने को लेकर विस्तार से जानकारी दी।लक्ष्य कोई छोटा-बड़ा नहीं होता हैं, व्यक्ति में आत्मविश्वास हो तो बड़ा से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता हैं।इस दौरान किशोरियों ने खूब सवाल-जवाब भी किए।10 मई से शुरू समर कैंप 10 जून तक चलेगा। संचालन कर रहे लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने मुख्य अतिथि श्याम सिंह को अंगवस्त्रम व काशी गौरव सम्मान का स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया।धन्यवाद ज्ञापन पंचमुखी ने किया। इस अवसर पर वर्षा, अनिता, सोनी, आशमां, अंजली, आशा, आकांक्षा, सोनाली, प्रीति, सुमन आदि मौजूद रही।

सरकारी खड़ंजा निर्माण रोकवाने के लिए विपक्षी ने किया आत्मदाह का प्रयास

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के इमलिया गांव में उस अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया जब ग्राम पंचायत अधिकारी ,राजस्व टीम ,पुलिस बल चकरोड पर खड़ंजा का कार्य करवाने गई थी उस समय बद्री यादव पुलिस से उलझने लगा जिस पर पुलिस उसे अपने कब्जे में लिया ही था कि तब तक अपने घर में ही तेल छिड़क भरत यादव उर्फ सबलू ने आग लगा समीप के नहर में छलांग लगा दी और आग बुझा चकरोड पर लोटने पोटने लगा जिस पर वहा मौजूद चौकी इंचार्ज विपिन पांडेय ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोलापुर पहुंचाया जहा से शहर के लिए रेफर कर दिया गया वही पुलिस रिकार्ड के अनुसार यह सब मनबढ़ है इनके ऊपर 2016 में आठ लोगो के खिलाफ लोक संपत्ति क्षति अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हुवा था आज एक वीडियो बनवा भरत लाल ने वायरल कराया जिसमे अपने बीपक्षियो का नाम लगा रहा है कि वही लोग तेल छिड़क आग लगाए वहा मौजूद सरकारी कर्मचारी और ग्रामीणों ने स्वय आग लगाने की बात बताई।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001

सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं